राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरूवार 26 जून 2025 वर्ष-8,अंक-127 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेलः-info.krantisamay@gmail.com

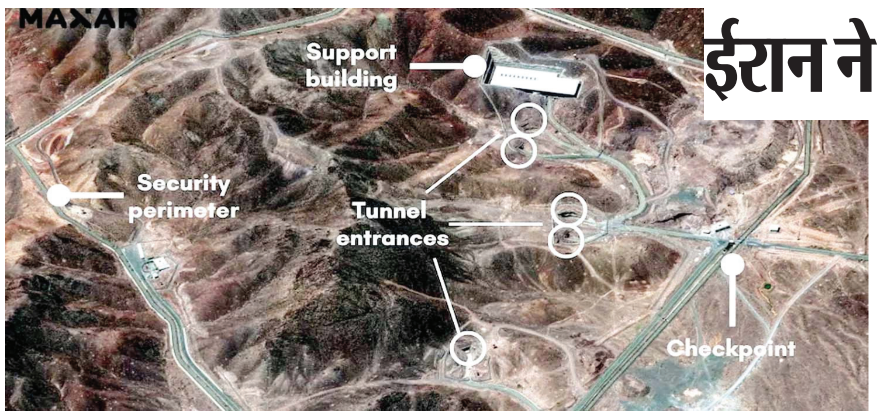

ईरान ने माना, अमेरिकी हमलों में परमाणु ठिकानों को हुआ खासा नुकसान

तेहरान (एजेंसी)। ईरान द्वारा यह कहे जाने के कुछ दिनों बाद कि अमेरिका द्वारा उसके परमाणु प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों के बाद रेडियोधर्मी संदूषण के कोई संकेत नहीं मिले हैं, तेहरान ने बुधवार को स्वीकार किया कि उसके परमाणु स्थल ÷बुरी तरह क्षतिग्रस्त÷ हुए हैं और उसने वाशिंगटन से मुआवज़ा मांगा है। 21 जून को अमेरिका ने 12-दिवसीय संघर्ष के दौरान ईरान पर अपने हमलों में इज़राइल का साथ दिया और फ़ोरडो, नतांज़ और इस्फ़हान में इस्लामिक गणराज्य के प्रमुख परमाणु स्थलों पर बमबारी की। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि उनके देश के परमाणु प्रतिष्ठानों पर अमेरिकी हमलों से काफी नुकसान हुआ है।

अल जजीरा ने बघेई के हवाले से कहा कि हमारे परमाणु प्रतिष्ठानों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है, यह निश्चित है। लेबनानी समाचार एजेंसी को दिए साक्षात्कार में ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने ईरान की परमाणु सुविधाओं को हुए नुकसान के लिए अमेरिका से मुआवजे की मांग की तथा संयुक्त राष्ट्र में शिकायत दर्ज कराने की धमकी दी। वाशिंगटन को ईरान की सुविधाओं को हुए नुकसान के लिए मुआवज़ा देना होगा अन्यथा तेहरान इस मामले पर संयुक्त राष्ट्र में शिकायत दर्ज कराएगा। अमेरिकी कंपनी मैक्सार टेक्नोलॉजीज द्वारा जारी उपग्रह चित्रों में नतांज और इस्फ़हान में ईरान की परमाणु सुविधाओं को उल्लेखनीय क्षति दिखाई गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान फिर से न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू करने की कोशिश करता है, तो उसके ऊपर फिर से एयरस्ट्राइक होगा। मीडिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सवाल किया कि अगर ईरान यूरेनियम को समृद्ध करता है, तो क्या अमेरिका फिर से तेहरान पर हमला करेगा। इसपर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि बिल्कुल, अभी वे किसी भी चीज को समृद्ध नहीं करना चाहते हैं। वे ठीक होना चाहते हैं। उनके पास बम नहीं होगा और वे समृद्ध नहीं होने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि ईरान के साथ हमारे संबंध कुछ हद तक ठीक हो जाएंगे।

सीबीएसई ने लिया बड़ा फैसला, 2026 से साल में 2 बार होंगी 10वीं बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में 2026 से बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसके तहत छात्र एक ही शैक्षणिक वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा दे सकेंगे। इस कदम का उद्देश्य 'उच्च दांव' पहलू को कम करना, परीक्षा के दबाव को कम करना और छात्रों को पूरे साल इंतजार किए बिना अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका देना है। नई योजना के तहत, प्रत्येक छात्र को फरवरी के मध्य में होने वाली पहली परीक्षा में शामिल होना होगा, जबकि अपने अंकों में सुधार करने या तीन विषयों में कम अंक पाने वाले छात्र मई में होने वाली दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

फरवरी में होने वाले पहले चरण की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य होगा- अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मई में होने वाला दूसरा चरण उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगा जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं कक्षा के लिए वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के मानदंडों को मंजूरी दे दी है, जिसकी नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में अनुशंसा की गई है।

दूसरा चरण मई में आयोजित किया जाएगा- सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, ''पहला चरण फरवरी में और दूसरा मई में आयोजित किया जाएगा। दोनों चरणों के परिणाम क्रमशः अप्रैल और जून में घोषित किए जाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''छात्रों के लिए पहले चरण में शामिल होना अनिवार्य होगा, जबकि दूसरा चरण वैकल्पिक होगा। छात्रों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने का मौका मिल सकेगा।''

अब सरकारी स्कूलों में पढ़ना पड़ेगी ममता की लिखी किताबें, गरमा गई सियासत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को अब राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा लिखी गई किताबों को पढ़ना पड़ेगा। इस आशय के जारी आदेश में कहा गय है कि सभी सरकारी स्कूलों को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा लिखी गई 19 किताबें रखीं जाऐं। ने के लिए कहा गया है। ये किताबें हर स्कूल में खरीदी जानी जरूरी है। इस आदेश के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। स्कूल शिक्षा आयुक्त ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि पुस्तकालयों में 515 किताबें रखी जाएं। इन किताबों में मुख्यमंत्री बनर्जी द्वारा लिखी गई 19 किताबें भी शामिल हैं। भाजपा की सूचना प्रौद्योगिकी सेल के प्रमुख और पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक अमित मालवीय ने इस घटना पर राज्य सरकार का मज़ाक उड़ाया है। उन्होंने दावा किया है कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में स्कूली बच्चों को भी घोटाले से नहीं बख्शा जा रहा है। मालवीय ने एक बयान में कहा कि एक और दिन, तृणमूल कांग्रेस का एक और घोटाला! ममता बनर्जी के बंगाल में, स्कूली बच्चों को भी भ्रष्टाचार से नहीं बख्शा जा रहा है। एक अजीब और शर्मनाक कदम में, पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों को 1 लाख रुपये का अनुदान पाने के लिए ममता बनर्जी की लिखी गई 19 किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। हां, आपने सही पढ़ा – सार्वजनिक धन, जिसका उपयोग बुनियादी ढांचे और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए किया जाना चाहिए, अब मुख्यमंत्री की व्यर्थ परियोजनाओं के विपणन के लिए उपयोग किया जा रहा है।

देश में कोरोना के सक्रिय मामले चार हजार से नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले कुछ दिनों से कोरोना के सक्रिय मामलों में लगातार कमी आने के साथ बुधवार को इनकी संख्या घटकर चार हजार से नीचे 3797 रह गयी और इस वायरस के संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 127 पर स्थिर है।

राहत की बात यह है कि पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से 698 मरीज स्वस्थ्य होने के साथ इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या 22333 पहुंच गयी। इस वायरस के संक्रमण से पिछले 24 घंटों के दौरान किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई और मृतकों का आंकड़ा 127 पर स्थिर रहा।

गौरतलब है कि देश में कोरोना के नये वेरिएंट के कारण इस वर्ष की शुरुआत से इसके मामले सामने आने लगे थे और 22 मई को सिर्फ़ 257 मामले सक्रिय थे, लेकिन इसके बाद इसमें वृद्धि देखी गयी।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के सक्रिय मामलों में 292 की कमी दर्ज की गयी। दूसरी ओर इस वायरस के संक्रमण से 698 मरीज स्वस्थ हुए हैं।

ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन आईआईएस रवाना

चेन्नई (एजेंसी)। अरबों लोगों की उम्मीदों और सपनों वाला एक्सिओम मिशन-4 भारतीय यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और चालक दल के तीन अन्य सदस्यों को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए दिन में 12 बजकर एक मिनट पर कैनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुआ। यह मिशन 14 दिन की अवधि का है1

यह मिशन 28 घंटों की यात्रा के बाद कल सुबह सात बजे अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर उतरेगा। मिशन में भारत, हंगरी,अमेरिका और पौलेंड के यात्री शामिल हैं।

इस मिशन के पायलट शुभांशु शुक्ला हैं और मिशन का नेतृत्व कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं। हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कपू तथा पौलेंड के स्लावोज उज्नान्सकी-विस्नीवस्की मिशन विशेषज्ञ हैं।

नासा के सहयोग से यह ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित मिशन भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया मील का पत्थर साबित होगा जो नए क्षितिज की खोज के लिए मार्ग प्रशस्त

करेगा क्योंकि यह भारत के तीन बेहद सफल चंद्र मिशनों और स्पैडेक्स प्रायोगिक डॉकिंग मिशन की पृष्ठभूमि में आता है। इसने अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत को अंतरिक्ष में डॉकिंग और अनडॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने में सक्षम बनाया।

'एक्सिओम' मिशन भारत के पहले मानव अंतरिक्ष यान मिशन, गगनयान के लिए महत्वपूर्ण होगा,

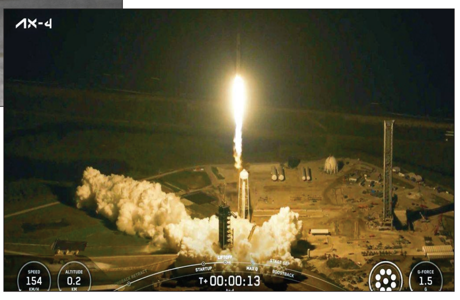

जिसे मानव रहित मिशनों के परीक्षण के बाद एक या दो साल बाद निर्धारित किया गया है। भारत ने वर्ष 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

इस मिशन की पहली उड़ान 29 मई को उड़ान निर्धारित थी लेकिन प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों,एलओएक्स लीक और आईएसएस में मरम्मत कार्यों सहित विभिन्न कारणों से छह बार इसका प्रक्षेपण टला लेकिन आज इसने आखिरकार लॉन्च पैड से शानदार तरीके से उड़ान भरी।

चुनाव आयोग ने प्रशांत किशोर की पार्टी को आवंटित किया सिंबल

-'स्कूल बैग' के निशान पर चुनाव लड़ेंगे सभी 243 प्रत्याशी

पटना (एजेंसी)। भारत के चुनाव आयोग ने बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले जन सुराज पार्टी को आधिकारिक तौर पर ÷स्कूल बैग÷ चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया है। पार्टी के सभी 243 उम्मीदवार अब इसी नए चिन्ह के तहत चुनाव लड़ेंगे। यह घटनाक्रम राजनीतिक रणनीतिकार से कार्यकर्ता बने प्रशांत किशोर द्वारा 2 अक्टूबर, 2024 को अपने राजनीतिक संगठन जन सुराज पार्टी के शुभारंभ की घोषणा के आठ महीने बाद हुआ है। पार्टी का शुभारंभ राज्य की राजधानी के वेटनरी कॉलेज ग्राउंड में कई प्रसिद्ध हस्तियों की मौजूदगी में किया गया।

पार्टी की शुरुआत किशोर द्वारा चंपारण से राज्य की 3,000 किलोमीटर से अधिक लंबी 'पदयात्रा' शुरू करने के ठीक दो साल बाद हुई थी, जहाँ महात्मा गांधी ने देश में पहला सत्याग्रह शुरू किया था, जिसका उद्देश्य लोगों को एक 'नए राजनीतिक विकल्प' के लिए संगठित करना था जो बिहार को उसके पुराने पिछड़ेपन से निजात दिला सके।

पूर्व भाजपा सांसद को जन सुराज पार्टी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया

पिछले महीने किशोर ने घोषणा की थी कि पूर्व भाजपा सांसद उदय सिंह को सर्वसम्मति से पार्टी का पहला राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है।

पद की गरिमा घटाने वाले मोदी करते हैं आपातकाल की बात : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री पद की गरिमा घटाई है और देश के संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं और अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी के संविधान बचाओ अभियान की लोकप्रियता से घबराकर आपातकाल की बात कर अपनी सरकार की विफलता को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं।

श्री खरगे ने बुधवार को यहां पार्टी के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में विशेष संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी देश में संघवाद की बात कर सभी राज्यों के साथ समानता की बात करते हैं, लेकिन सच यह है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और गैर-भाजपा शासित राज्यों के प्रति उनका नजरिया भिन्न-भिन्न होता है। श्री मोदी और उनकी सरकार संविधान और लोकतंत्र की सुरक्षा करने में असफल रही है और विपक्ष के साथ जबरदस्त भेदभाव कर देश को बर्बाद करने का काम कर रही है। उनका कहना था कि जब पूरा देश पहलगाम हमले के बाद एकजुट था और कांग्रेस सहित सारे विपक्ष ने सरकार के हर फैसले में उसका साथ दिया तो जवाब में मोदी सरकार जनता और लोकतंत्र के हितों को महत्व देने की बजाय आपातकाल की बात कर विपक्ष के खिलाफ

साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी कह रहे हैं कि आपातकाल में देश के लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया था और अब उसे बहाल किया जा रहा है। कमाल यह है कि संविधान बचाने की बात वे कर रहे हैं जिनका देश की आजादी के आंदोलन और संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। जिन लोगों ने इस संविधान को बनाने में सहयोग नहीं दिया, हमेशा संविधान के खिलाफ बात करते रहे, जिस संविधान को बाबा साहेब अंबेडकर, पंडित जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी और संविधान सभा ने तैयार किया उसे आरएसएस के लोगों ने रामलीला मैदान में जलाया और बाबा साहेब अंबेडकर, नेहरू जी और गांधी जी का पुतला फूंका था। आरएसएस के लोगों का कहना था कि जो संविधान बाबा साहेब अंबेडकर जी ने बनाया है, उसमें उनकी पारंपरिक संस्कृति और मनुस्मृति के अंश नहीं हैं इसलिए उस संविधान को नहीं मानेंगे।

आपातकाल के 50 साल पर पीएम मोदी ने याद किया वो काला इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इमरजेंसी के 50 साल पूरा होने पर लोकतंत्र के इतिहास के काले अध्याय को याद किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार ट्वीट किया। मोदी ने लिखा कि आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक, आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। पीएम मोदी ने लिखा कि जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को फिर से पुष्ट किया। साथ ही, मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला। पीएम ने लिखा कि मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों में से कुछ को एक किताब के रूप में संकलित किया है, जिसकी

प्रस्तावना एचडी देवेगौड़ा जी ने लिखी है, जो खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक दिग्गज थे।भारत के लोग इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि इस दिन, भारतीय संविधान में निहित मूल्यों को दरकिनार कर दिया गया, मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया, प्रेस की स्वतंत्रता को खत्म कर दिया गया और कई राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, छात्रों और आम नागरिकों को जेल में डाल दिया गया। ऐसा लग रहा था जैसे उस समय सत्ताधारी कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था।

सोशल मीडिया पर शेयर करें अनुभव

पीएम ने कहा कि 'द इमरजेंसी डायरीज' में आपातकाल के वर्षों के दौरान मेरी यात्रा का वर्णन है। इसने उस समय की कई यादें ताज़ा कर दीं। मैं उन सभी लोगों से अपील करता हूं जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं, वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी। पीएम ने लिखा कि हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं! ये पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए लोग थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने आगे लिखा कि यह उनका सामूहिक संघर्ष था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे बुरी तरह हार गए।

कश्मीर से लेकर केरल तक बारिश ही बारिश, हिमाचल में तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर से लेकर केरल तक बारिश भरपूर बरस रही है। हिमाचल के कसोल में जल प्रलय आ गया है। पानी के तेज बहाव में गाड़ियां बह गईं हैं , कई सैलानी लापता बताये जा रहे हैं। वहीं राजस्थान के पूर्वी भागों में मानसून की तेज बारिश का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में सबसे अधिक 190 मिलीमीटर बारिश बांसवाड़ा के सल्लोपट में हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य के पूर्वी भागों में बारिश की गतिविधियां आगामी एक सप्ताह जारी रहने व कहीं-कहीं भारी बारिश होने की पूरी संभावना है।

जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में हुई बारिश के कारण जलस्तर अचानक बढ़ जाने के बाद तवी नदी में फंसे नौ लोगों को बुधवार को पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों के संयुक्त अभियान में बचा लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के कारण बुधवार सुबह जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा, जबकि राजौरी जिले में एक नदी के उफान पर होने से कुछ वाहन भी बह गए।

केरल के वायनाड के मुंडक्कई-चूरलमाला क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से हो रही भारी बारिश के कारण फिर से बाढ़ और भूस्खलन की आशंका पैदा हो गई है, जबकि ठीक एक साल पहले यहां भीषण भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। जिला अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि चूरलमाला नदी उफान पर है और कीचड़ युक्त पानी तेजी से बह रहा है तथा बेली ब्रिज के पास नदी के तटीय क्षेत्रों में कटाव हो रहा है। नदी के दोनों किनारों पर मरम्मत कार्य के लिए जमा की गई मिट्टी बह गई है, जिससे अट्टामाला रोड और आस-पास के इलाकों में पानी भर गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्हें लगता है कि पर्वतीय क्षेत्रों में खास तौर पर पुंचिरीमट्टम के पास के जंगली इलाकों में हालिया भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि पश्चिम बंगाल-ओडिशा तट पर बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से अगले तीन दिनों के दौरान अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा तथा दक्षिण बंगाल के कुछ जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने कहा कि अनुकूल हवा के रुख और बंगाल की खाड़ी से नमी आने के कारण 27 से 30 जून तक उत्तर बंगाल के कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण बंगाल में पुरुलिया, बांकुरा, पश्चिम बर्दवान, पूर्व और पश्चिम मिदनापुर, झाड़ग्राम, दक्षिण 24 परगना जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग ने कहा कि 28 जून को उत्तर बंगाल के जिलों दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर में भारी बारिश होने की संभावना है तथा जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार में एक-दो स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है।

इसके अनुसार, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दिनों में बादलों की गरज के साथ बारिश होगी। वहीं बीकानेर, जोधपुर संभाग में 26 से 29 जून के दौरान बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने और कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है।

उत्तराखंड के ऋषिकेश में अत्यधिक बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने और भारी मात्रा में गाद आने से मुनि की रेती क्षेत्र में 'रिवर राफ्टिंग अस्थाई रूप से बंद कर दी गयी है। टिहरी के जिला पर्यटन विकास अधिकारी जसपाल चौहान ने बुधवार को बताया कि पर्यटकों की सुरक्षा को देखते हुए मुनि की रेती क्षेत्र में 24 जून से गंगा नदी में 'रिवर राफ्टिंग को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। उत्तराखंड के हल्द्वानी में भारी बारिश के दौरान एक अनियंत्रित कार के नहर में गिरने से एक

नवजात शिशु समेत परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी और तीन अन्य लोग घायल हो गए।

इसी तरह हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जि़लि की सैंज घाटी में बादल फटने की घटना सामने आई है। इस घटना के बाद इलाके में जीवा नाले में तेज़ सैलाब आ गया, जिससे आसपास के क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार पार्वती नदी भी उफान पर है। हालांकि अब तक किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है, लेकिन एहतियातन लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

चिंता का सबब बनता युवा सोच पर नशे का ग्रहण

(लेखक - योगेश कुमार गोयल/ईएमएस)

नशा मुक्त भारत बनाने की बड़ी चुनौती

अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस (26 जून) पर विशेष

ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ़य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं।

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवस' मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ़य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं।

देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से बताया है बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं तथा नशे के दुष्प्रभावों पर 1993 में पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिख चुके हैं)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

बेटियां संवेदनशील

देशकाल-परिस्थितियों और बदलती जरूरतों के अनुरूप वैश्विक स्तर पर एक सूक्ष्म, लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव दृष्टिगोचर हो रहा है। यह बदलाव लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में आ रहे परिवर्तन का है। जैसा कि हाल ही में 'द इकनॉमिस्ट' द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। दुनियाभर में, अतिरिक्त पुरुष जन्म की संख्या- जो वर्ष 2000 में 1.7 मिलियन तक अधिक थी, साल 2025 तक लगभग दो लाख तक गिर गई है। निस्संदेह, यह प्रजनन विकल्पों में एक अप्रत्याशित बदलावों का संकेत है। यहां तक कि दक्षिण कोरिया और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या हैज दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता के रूप में देखा जा सकता है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी होती जा रही है। बल्कि कई देशों में तो महिलाओं की बैचलर डिग्री की संख्या तक पुरुषों की तुलना में अधिक है। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। वहीं भारत में परिस्थितियां एक जटिल तसवीर प्रस्तुत करती हैं। यूं तो सदियों से भारत का समाज पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। हालांकि, अब आधिकारिक आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है। लेकिन लिंग चयन के लिये किए जाने वाले गर्भपात पर शासन व प्रशासन की कानूनी सख्ती और जागरूकता अभियानों के बावजूद परंपरागत रूप से समाज में गहरी जड़ें जमाने वाला बेटा मोह अब भी प्राथमिकता बना हुआ है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5(2019-21) का सर्वे चिंता बढ़ाने वाला है। सर्वे के अनुसार, लगभग 15 फीसदी भारतीय माता-पिता अभी भी बेटियों की तुलना में बेटों की आकांक्षा रखते हैं। यही वजह है कि हरियाणा,पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में विषम शिशु लिंगानुपात चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अलावा, भारत में बेटी वरीयता, जहां यह मौजूद है, अक्सर सशर्त होती है। लड़कियों को भावनात्मक लगाव या घरेलू स्थिरता के लिये तो महत्व दिया जा सकता है, लेकिन जरूरी नहीं कि पोषण, शिक्षा या विरासत तक उन्हें समान पहुंच दी जाए। भारतीय समाज में दहेज जैसी सांस्कृतिक प्रथाएं आज भी बेटी के माता-पिता की बड़ी चिंता बनी रहती हैं। परंपरावादी समाज में यह धारणा बलवती रही है कि बेटियां दूसरे परिवार की हैं।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकनें में सक्रिय सामुदायिक सहायता की ज़रूरत हैं

(लेखक -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी)

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ़ अंतर्राष्ट्रीय दिवस 26 जून 2025 पर विशेष)

अंतरराष्ट्रीय स्तरपर मादक पदार्थों के सेवन और नशीली दवाओं के दुरुपयोग तथा उसकी अवैध तस्करी के मामलों से करीब-करीब हर देश पीड़ितहै और यह समस्या दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। खासकर मानवीय युवा पीढ़ी जिन्हें भविष्य की बागडोर संभालनीं है, यानें हमारी अगली पीढ़ी बनने वाले युवा और बच्चों की रुचि मादक पदार्थों में बढ़ती ही जा रही है ।हम अपने आसपास भी देखते होंगे कि बच्चे भी सिगरेट, बीड़ी, बीयर पीने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं जो वैश्विक समस्या बनती जा रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यहां गुटखा पाबंदी होने के बावजूद स्कूलों के आसपास भी भारी मात्रा में तंबाकू युक्त गुटके मिलते रहते हैं जो बिना मिलीभगत के संभव नहीं है, नशा, एक ऐसी बीमारी है जो कि युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में लेकर उसे कई तरह से बीमार कर रही है ।शराब, सिगरेट,तम् बाकू एवं ड्र स जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग का एक बड़ा हि स्सा नशे का शिकार हो रहा है। आज फुटपाथ और रेल वे ् लेटफार्म पर रहने वाले बच् चे भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। लोग सोचते हैं कि वो बच् चें कैसे नशा कर सकते है जिनके पास खाने को भी पैसा नहीं होता। परंतु नशा करने के लिए सिर्फ मादक पदार्थो की ही जरुरत नहीं होती, बल्कि ् हाइटनर,नेल पॉलिश, पेट्रोल आदि की गंध, ब्रेड के साथ विक्स और झंडु बाम का सेवन करना, कुछ इस प्रकार के नशे भी किए जाते हैं, जो बेहद खतरनाक होते हैं ।नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है कि अब ् यक ति मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, वह नशे के लिए जुर्म भी कर सकता है। नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं है। महिलाओं द्वारा भी मादक पदार्थों का बहुत अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार है ।इसीलिए ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस 26 जून 2025 के उपलक्ष में हम इस आर्टिकल के माध्यम से,आओ नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी को रोकने सक्रिय भूमिका बढ़ाएं पर परिचर्चा करेंगें। साथियों बात अगर हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की करें तो, ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने उल्लेख किया है, एक साथ, हम विश्व नशीली दवाओं की समस्या से निपट सकते हैं। मजबूत दृढ़ संकल्प और नशीली दवाओं से संबंधित ज्ञान साझा करके, हम सभी नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त एकअंतरराष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं ।जब ड्रग्स का दुरुपयोग व्यापक रूप से समाज के अमीर और गरीब वर्ग के बीच फैल जाता है तो उस समय सबसे अधिक अनिवार्य है नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामुदायिक सहायता की ज़रूरत की। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ़ युद्ध में प्रसिद्ध कहावत रोकथाम इलाज से बेहतर है, काफी प्रासंगिक है। ड्रग्स के दुरुपयोग और इससे जुड़ी अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के दिन जनजागृति बढ़ाना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम मादक पदार्थों की करेंतो गुटखा तंबाकू तंबाकू के उपयोग से होने वाली हानियां, मदिरा अफीम, कोकीन, भांग, चरस, गांजा , हशीश, एलएसडी आदि अन्य पदार्थ भी मादक पदार्थों के रूप में प्रचलन में है। युवा इनको प्रयोग विभिन्न कारण से कर बैठते हैं और चंगुल में फंस जाते हैं। इनके प्रयोग से दुष्प्रभाव परिवार से विच्छेदन, अपराध प्रवृति की वृद्धि शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आते हैं। कुछ समय के लिए मस्ती देनेवाले नशीले द्रव्यों के निरंतर सेवन से मनुष्य के तन-मन निष्क्रिय और शिथिल हो जाते हैं, दृष्टि कमजोर हो जाती है, पाचनशक्ति मंद पड़ जाती है तथा हृदय और फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। इससे स्वास्थ्य चौपट हो जाता है और मनुष्य असमय ही मृत्यु का द्वार खटखटाने लगता है। नशीली दवाओं की लत एक कट्टर दानव है जो हमारे समाज के विकास पर रोक लगा सकती है। कैंसर जैसी अनेक भयंकर बीमारियां हमेशा सक्रियता से होने का डर बना रहता है।

साथियों बात अगर हम भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कौन-कौन से कदम उठाए हैं, की करें तो भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोका जा सके ।यहां कुछ प्रमुख सरकारी प्रयासों का विवरण दिया गया है:-(1)नशा मुक्त भारत अभियान-यह अभियान अगस्त 2020 में शुरू किया गया था,इसका उद्देश्य देशभर में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना, लोगों को सहायता देना और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराना है ।अब तक 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा चुका है, 3 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थान और 8,000 से अधिक मास्टर वॉलंटियर्स इस अभियान में जुड़े हैं। (2) कानूनी और प्रशासनिक सख्ती-नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस एक्ट के तहत सख्त कानून बनाए गएहैं2014 के बाद से ड्रग्स के मामलों में 152 पेर्सेंट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, गिरफ्तारियों में 400 पेर्सेंट की वृद्धि हुई है और जब्त की गई ड्रग्स का मूल्य 30 गुना बढ़ा है। 2014 से अब तक 12 लाख किलोग्राम से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई हैं। (3) इंटर-एजेंसी समन्वय और तकनीकी उपाय -नारको कोऑर्डिनेशन सेंटर और जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी के जरिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है ।सिम्स पोर्टल विकसित किया गया है, जिससे ड्रग्स से जुड़े मामलों की मॉनिटरिंग और डेटा ट्रैकिंग आसान हुई है ।समुद्री मार्गों की निगरानी के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई गई है। (4) जागरूकता और शिक्षा-स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। युवाओं और अभिभावकों के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं, ताकि वे नशे के दुष्परिणाम समझ सकें और समय रहते मदद ले सकें। (5) पुनर्वास और सहायता केंद्र- देशभर में सरकारी और गैर-सरकारी पुनर्वास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां नशा पीड़ितों को इलाज, काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधा मिलती है।

(चिंतन-मनन)

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी।

तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था।

तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

विचार मंथन

57 देशों की भारत- विरोधी लामबंदी

(लेखक - सनत जैन)

सांसदों के प्रतिनिधि मंडल और ऑपरेशन सिंदूर सवालों के घेरे में

57 इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की हालिया बैठक में भारत के खिलाफ सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव पारित किया गया है। जिसमें भारत की विदेश नीति और ऑपरेशन सिंदूर के निर्णयों को कठघरे में खड़ा किया गया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर के विदेशी दौरे और विदेश नीति के साथ-साथ, 51 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में गया था। बहुचर्चित ऑपरेशन सिंदूर की साख पर भी ओआईसी के प्रस्ताव से तगडा झटका लगा है। 51 सांसदों को विदेशों में भारत का पक्ष रखने भेजा था। पाकिस्तान के दुष्प्रचार की असलियत बताने और भारत का पक्ष रखकर कूटनीतिक समर्थन जुटाने सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों का वि भिन्न देशों में भेजा था। इन सारे प्रयासों की हकीकत यह है, जिन देशों में यह डेलिगेशन गये थे, उन्हीं देशों ने भारत के खिलाफ पारित प्रस्ताव पर दस्तखत किए हैं। कुवैत, सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, मलेशिया, कतर, इंडोनेशिया, मिस्र, अल्जीरिया, गुयाना और सिएरा लियोन सहित 11 देशों ने भारत का पक्ष नहीं लिया उल्टे विरोध किया है। ओआईसी संगठन ने कश्मीर और सिंधु जल संधि जैसे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले प्रस्ताव पर पाकिस्तान के पक्ष में समर्थन दिया है। जो भारत सरकार की विफल विदेश नीति को दर्शाता है।

यह केवल कूटनीतिक विफलता नहीं, बल्कि भारत के लिये एक शर्मनाक स्थिति है। करोड़ों करदाताओं के टैक्स में जमा सरकारी धन के खर्चे पर सांसदों के प्रतिनिधि मंडलों को विदेशों मे भेजा गया था। जिन देशों में यह प्रतिनिधिमंडल गए थे। वहां पर इसका कोई व्यावहारिक प्रभाव नहीं पड़ा। सरकारी मंच और मीडिया के माध्यम से जनता के बीच जरुर यह भ्रम फैलाया गया। भारत सरकार की यह कोशिशें बड़ी सफल रहीं है। सांसदों के प्रतिनिधि मंडल ने सभी देशों में जाकर भारत का पक्ष अच्छी तरह से रखा है। यह प्रचारित किया गया, सांसदों के प्र तिनिधिमंडल की यात्राओं ने भारत का डंका दुनिया के कई देशों में बजाया है। भारत के सामने पा किस्तान अलग-थलग पड़ गया है। भारत को हर देश से समर्थन मिला है। ओआईसी के पारित प्रस्तावों ने यह सिद्ध कर दिया है। भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। भारत सरकार की तमाम कोशिशें एवं प्रचार-प्रसार मीडिया तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर उसका प्रभाव देखने को नहीं मिला।

प्रधानमंत्री मोदी की 150 विदेश यात्राएँ, जयशंकर की विदेश मंत्री के रूप में सक्रियता भारत की कूटनीति और सांसदों के ऽडिप्लोमेसी टूरऽ मैं जो बताया गया था, ठीक उसके विपरीत वर्तमान स्थिति है। भारत की इस फजीहत का क्या कारण है। वर्तमान स्थिति में देश के नागरिकों के मन में तीव्र जिज्ञासा है, जनता जानना चाहती हैं। क्या विदेश यात्राएँ राष्ट्रीय हित के लिए थीं। क्या इस तरह की विदेश यात्राएं राजनीतिक और व्यक्तिगत फायदे के लिये होती हैं।

देश को वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार की आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। किसी भी राष्ट्र के साथ अपने संबंधों को बनाना, कूटनीति के साथ रिश्तों को राष्ट्रीय हित में बेहतर स्थिति में ले जाना, यह वास्तविक कार्य प्रणाली से ही संभव है। इवेंट मैनेजमेंट के जरिए रिश्तों का कोई फायदा नहीं होता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है। भारत को ऽविश्व गुरुऽ के मुखौटे से बाहर निकलना होगा। हम 140 करोड़ की आबादी वाले देश हैं। इससे भी हमें बाहर निकालने की जरूरत है। रिश्ते दो पक्षों के बीच में बनते हैं। दोनों पक्ष एक दूसरे की आवश्यकता जरूरत और संबंधों के आधार पर रिश्ते प्रगाण होते हैं। नए वैश्विक समीकरणों को देखते हुए भारत को राष्ट्रीय हितों, कारोबार की नीतियों तथा संबंधों की स्पष्टता को ध्यान में रखते हुए विदेश नीति बनानी होगी। तभी दुनिया भारत के ऊपर विश्वास करेगी। घरेलू राजनी ति एवं वै श्विक राजनी ति के अलग आधार होते हैं। घरेलू राजनी ति को ध्यान में रखते हुए वै श्विक इवेंट कुछ समय के लिये घरेलू राजनी ति में सत्ता पक्ष के लिये फायदेमंद हो सकते हैं। राजनै तिक हल्कों में कहा जा रहा है कि संसद का विशेष सत्र ना बुलाना पड़े इसके लिये 51 सांसदों को डेलीगेशन के रुप में विदेश भेजा गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसी की गिरावट के साथ ही 86.08 रुपये पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 86.05 पर बंद हुआ था। रुपये में ये बढ़त तेल की कीमतों में गिरावट से आई हैं। इससे पहले गत दिवस सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 64 पैसे मज़बूत होकर 86.11 पर पहुंचा, जो सोमवार को 86.75 पर बंद हुआ था। यह 13 मई के बाद रुपया की सबसे बड़ी शुरुआती तेज़ी रही है। हालांकि जून महीने में अब तक रुपया कुल 0.61 फीसदी गिर चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इजराइल के बीच पूर्ण सीज़फायर की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इससे भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों को राहत मिली है।

मंडी में हरे धनिया की भरपूर आवक फिर भी किसान हो रहा परेशान

मंडियों में 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा, लागत भी नहीं मिल रही

नई दिल्ली।

बाजार में धनिया की भारी आवक से इसकी कीमतों में भारी गिरावट देखी गई। जैसे-जैसे कीमतें कम हो रही हैं, किसानों की समस्याएं बढ़ रही हैं। इस समय मंडियों में धनिया 35 से 40 रुपए किलो बिक रहा है जबकि इस दाम में किसानों को मेहनताना तक भी नहीं मिल पा रहा है। जौनसार बावर क्षेत्र में हरे धनिया की आवक हो रही है। क्षेत्र के किसान पिछले कुछ सालों से नगदी फसलों के साथ-साथ हरे धनिए का भी उत्पादन कर रहे हैं, लेकिन मंडी में धनिया की कीमत को लेकर किसानों की परेशानी बनी हुई है। हालत यह हैं कि किसानों को इसे मंडियों में लाने की लागत भी नहीं मिल रही है। किसानों का कहना है कि इस दाम में किसानों को निराई, गुड़ाई और बाजार तक अपने उत्पादन को पहुंचाने के बाद भी उचित दाम नहीं मिल रहे हैं, जबकि पिछले साल 100 से 150 रुपए प्रति किलो मंडियों में किसानों द्वारा हरा धनिया बेचा गया था, लेकिन इस बार किसान अपनी लागत भी नहीं निकाल पा रहे हैं। इससे कई निराश किसान अपनी उपज मंडी नहीं ले जा रहे हैं।

हुंडई एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने की तैयारी में

नईदिल्ली।

मारुति सुजुकी, हुंडई और महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियां अगले कुछ महीनों में ग्राहकों को कई बेहतरीन विकल्प देने जा रही हैं। हुंडई अपनी लोकप्रिय एसयूवी वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन लाने वाली है, जिसे भारत की सड़कों पर कई बार टेस्टिंग के दौरान देखा जा चुका है। इस फेसलिफ्ट मॉडल में एक्सटीरियर को नया रूप देने के साथ ही आधुनिक फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है। हालांकि, इंजन में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह कार साल के अंत तक लॉन्च हो सकती है। दूसरी ओर, महिंद्रा भी अपनी नई इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी को लेकर चर्चा में है। यह कार एक्सयूवी 400 से नीचे पोजिशन की जाएगी और सीधा मुकाबला टाटा पंच ईवी से होगा। इसकी बैटरी एक बार चार्ज होने पर लगभग 400 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम हो सकती है। वहीं, देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी भी फ्रोंक्स का हाइब्रिड वर्जन लॉन्च करने की तैयारी में है। हाल ही में इसे टेस्टिंग के दौरान देखा गया है और इसमें 1.2 लीटर झेड12ई पेट्रोल इंजन के साथ हाइब्रिड सिस्टम मिलने की संभावना है। यह कार भी साल के अंत तक बाजार में दस्तक दे सकती है। इन तीनों एसयूवी के लॉन्च के बाद भारतीय ग्राहकों को कम बजट में बेहतर टेक्नोलॉजी और शानदार माइलेज वाले विकल्प मिल सकेंगे। बता दें कि भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में कॉम्पैक्ट एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कई बड़ी कंपनियां अपनी नई-नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में हैं।

गूगल ने 'एआई मोड इन सर्च' भारत में किया लॉन्च

अब यूजर्स लंबे और जटिल पूछ सकेंगे सवाल

नई दिल्ली।

गूगल ने भारत में अपने नए एआई-संचालित सर्च फीचर 'एआई मोड इन सर्च' की शुरुआत कर दी है। इस फीचर का पहले अमेरिका में परीक्षण किया जा चुका है और अब भारत में इसे गूगल लैंस के तहत एक प्रयोग के रूप में उपलब्ध कराया है। यह अंग्रेजी भाषा में ही इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल का दावा है कि यह फीचर लोगों के सर्च करने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा, क्योंकि अब यूजर्स लंबे और जटिल सवाल पूछ सकेंगे और उन्हें एआई द्वारा तैयार किए गए जवाब भरोसेमंद स्रोतों के लिंक के साथ मिलेंगे।

यह नया फीचर गूगल के मल्टीमॉडल एआई मॉडल जेमिनी 2.5 पर आधारित है। यूजर्स केवल टेक्स्ट ही नहीं, बल्कि गूगल लैंस के जरिए फोटो लेकर या अपलोड करके भी सवाल पूछ सकते हैं जैसे- कोई पौधे की फोटो लेकर उसकी देखभाल के तरीके पूछ सकता है, या फिर किसी टूटे सामान की तस्वीर भेजकर उसकी मरम्मत की सलाह ले सकता है। यह सुविधा एंड्रॉयड और आईओएस दोनों पर गूगल ऐप में

उपलब्ध है।

गूगल का कहना है कि यह फीचर खासतौर पर उन जटिल सवालों के लिए है जिनके लिए पहले कई बार सर्च करना पड़ता था। चाहे स्मार्टफोन की तुलना करनी हो, ट्रिप प्लान करना हो या घरेलू काम सीखना हो- एआई मोड एक ही बार में विस्तृत जवाब देगा। साथ ही फॉलो-अप सवालों के लिए सुझाव और लिंक भी प्रदान करेगा। गूगल के मुताबिक यूजर्स अब दो से तीन गुना लंबी क्वेरी डाल रहे हैं, जिससे साबित होता है कि सर्च अब ज्यादा नेचुरल और डीटेल्ड दे रहा है।

सोने और चांदी की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने-चांदी की कीमतें बढ़ी हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.24 फीसदी बढ़कर 97,260 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 0.30 फीसदी बढ़कर 1,05,234 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गयी हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीलय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में उछाल आया है। इससे राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 900 रुपए गिरकर 98,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई। पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 99,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी जबकि 99.5 फीसदी शुद्धता वाला सोना 800 रुपए टूटकर 98,300 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया जबकि सोमवार को यह 99,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार तनाव बढ़ने की आशंका कम होने के साथ, निवेशक मुनाफावसूली कर रहे हैं और सोने की खरीद कम हुई है। वहीं गत दिवस को चांदी की कीमतें भी 1,000 रुपए घटकर 1,04,200 रुपए प्रति किलोग्राम रह गईं।

27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वीआरआरआर की नीलामी करेगा आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) शुक्रवार यानी 27 जून को 7 दिनों की अवधि वाली वेरिएबल रेट रिवर्स रीपो (वीआरआरआर) की नीलामी करेगी। इसका उद्देश्य बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त नकदी को बाहर निकालना है। मौजूदा समय में वेटेड एवरेज कॉल रेट पॉलिसी रीपो रेट से नीचे है, जो नकदी अधिशेष का संकेत देता है। आरबीआई ने कहा कि वर्तमान और संभावित तरलता स्थितियों की समीक्षा के बाद यह फैसला किया गया है कि 27 जून को वीआरआरआर नीलामी की जाएगी। इसके साथ ही आरबीआई ने साफ किया कि 27 जून को 14 दिनों की मुख्य रिवर्स रीपो नीलामी नहीं की जाएगी। यह फैसला आने वाले पखवाड़े की नकदी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए लिया है। पिछले दो हफ्तों में बैंकिंग सिस्टम में औसतन 2.5 लाख करोड़ की अतिरिक्त नकदी रखी है, जिसे आरबीआई हर दिन अलग-अलग माध्यमों से सिस्टम से बाहर करता रहा है। आरबीआई के लिक्विडिटी फ्रेमवर्क के मुताबिक अगर किसी ऑपरेशन की अवधि 14 दिन या उससे ज्यादा होती है, तो उसे मुख्य ऑपरेशन कहा जाता है। वहीं 14 दिन से कम अवधि वाले ऑपरेशन को फाइन ट्यूनिंग ऑपरेशन माना जाता है। जानकारों का कहना है कि आरबीआई की ओर से वेरिएबल रिवर्स रीपो रेट नीलामी कराना उम्मीद के मुताबिक ही था। ऐसा इसलिए किया क्योंकि टैक्स भुगतान के बावजूद बैंकिंग सिस्टम में लगातार तरलता बनी है। आरबीआई के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में नकदी की स्थिति सोमवार को 2.43 लाख करोड़ सरप्लस में थी। विशेषज्ञों का कहना है कि वेटेड एवरेज ओवरनाइट कॉल रेट अभी भी रीपो रेट से काफी नीचे है। अगर सरकार अगले महीने की शुरुआत में खर्च बढ़ाती है तो यह दर और भी नीचे जा सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 700 , निफ्टी 200 अंक ऊपर आया

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी ईरान-इजरायल के बीच संघर्ष विराम के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है। इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा जिससे भी खरीददारी बढ़ी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 700 अंक बढ़कर 82,755.51 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 200 अंक बढ़कर 25,244.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर टाइटन कंपनी, इंफोसिस, एमएंडएम, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए जबकि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आयशर मोटर्स, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी के शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर रहे। ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी, टेलीकॉम, हेल्थकेयर, मीडिया के शेयरों में 1-2 फीसदी की तेजी रही। जिससे सभी सेक्टोरल इंडेक्स आज हरे निशान पर बंद हुए। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी 1.6 फीसदी की तेजी आई। सभी सेक्टरों में आईटी के शेयर सबसे ऊपर रहे। वहीं व्यापक बाजारों में मिडकैप्स फ्रंटलाइन इंडेक्स पीछे रहे जबकि स्मॉलकैप्स ने 1.49 फीसदी बढ़कर अच्छा प्रदर्शन किया। बाजार पूंजीकरण बढ़ने से निवेशकों ने चार लाख करोड़ कमाये इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से भी बाजार को बल मिला। इससे सेंसेक्स सुबह 442 अंक

बढ़कर 82,497 के स्तर पर कामकाज करता दिखा जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126 अंक ऊपर आकर 25,170 पर पहुंचा। वहीं एशिया-पैसिफिक बाजारों में शुरुआती बढ़त के बाद अधिकतर सूचकांकों में सपाट कारोबार हुआ। ईरान और इज़रायल के बीच संघर्षविराम के बाद मध्यपूर्व में तनाव कम होने का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। जापान के निक्केई में 0.073 फीसदी की हल्की तेजी रही। वहीं टोपिक्स में 0.1 फीसदी का उछाल आया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 और दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी हल्की गिरावट के साथ सपाट कारोबार कर रहा था। निवेशकों की नजर अब ऑस्ट्रेलिया के महंगाई आंकड़ों पर बनी हुई हैं। दूसरी ओर अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वहां तेजी रही। डाओ जोंस 1.19 फीसदी की बढ़त के साथ 43,089.02 पर बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 में 1.11 फीसदी का उछाल आया और ये 6,092.18 पर पहुंच गया, जो कि इसके 52-हफ्ते के शीर्ष स्तर से केवल 0.9 फीसदी कम है।

निवेशकों के लिए सेबी ने दी तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में निवेश करने वाले कुछ ऐसे निवेशक भी हैं जो आईपीओ के इंतजार में रहते हैं। ये निवेशक आईपीओ पर दांव लगाकर कमाई करना चाहते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए अब सेबी ने तीन बड़ी कंपनियों के आईपीओ को मंजूरी दी है। ये कंपनियां- इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार से जुड़ी जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता ग्लोटिस और दवा कंपनी अमांता हेल्थकेयर हैं।

सेबी ने बताया कि तीनों कंपनियों ने फरवरी-मार्च में नियामक के समक्ष अपने शुरुआती आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे और उन्हें 16 से 20 जून के बीच निष्कर्ष पत्र मिले। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रस्तावित आईपीओ में 450 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम और प्रवर्तकों द्वारा 51 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। जीएनजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में लैपटॉप और डेस्कटॉप का सबसे बड़ा रीफर्बिश्ड है। रीफर्बिश्ड के तहत पुराने प्रोडक्ट को सही कर बेचा जाता है।

यह कंपनी भारत, अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका और यूएई में मौजूदगी का दावा करती है। मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड, आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं। इसी तरह, चेन्नई स्थित ग्लोटिस के आईपीओ में 160 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों का ताजा निर्गम

और 1.45 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में काम करता है। इसके अलावा अमांता हेल्थकेयर का आईपीओ पूरी तरह से 1.25 करोड़ नए शेयरों पर आधारित होगा। इन तीनों कंपनियों के शेयरों को बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

जून में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। एचएसबीसी फ्लैश पीएमआई डेटा के अनुसार, जून में भारतीय आर्थिक गतिविधि 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। कंपनियों ने कुल नए व्यवसाय के तेजी से बढ़ने और निर्यात ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि के जवाब में उत्पादन बढ़ाया। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में मासिक आधार पर परिवर्तन को मापता है। इंडेक्स जून में 61.0 के साथ 14 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। मई में 59.3 से बढ़कर, लेटेस्ट रीडिंग विस्तार की तेज दर के अनुरूप थी, जो लंबी अवधि की सीरीज के औसत से काफी ऊपर थी। निर्माताओं ने व्यावसायिक गतिविधि में उछाल का नेतृत्व किया, हालांकि सेवा अर्थव्यवस्था में भी विकास ने गति पकड़ी। वृद्धि की दरें क्रमशः दो और दस महीने के उच्चतम स्तर पर थीं। पेंडिंग वर्कलोड के लगातार बढ़ने के साथ, फर्म भर्ती मोड में रही। इस बीच, एचएसबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में दस महीनों में सबसे धीमी गति से वृद्धि होने के कारण मुद्रास्फीति में नरमी आई। पैनलिस्टों के अनुसार, अनुकूल मांग प्रवृत्तियों, दक्षता लाभ और तकनीकी निवेश से उत्पादन में वृद्धि हुई। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई मई में 57.6 से बढ़कर जून में 58.4 हो गया, जो अप्रैल 2024 के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे बेहतर सुधार का संकेत देता है।

वॉलमार्ट का भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य

परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को देगा बढ़ावा

नई दिल्ली।

अमेरिका की खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट अपने वैश्विक परिचालन के लिए भारत में आपूर्तिकर्ताओं के साथ काम कर रही है। वॉलमार्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा कि वॉलमार्ट ने पिछले कुछ सालों में भारत से अपनी खरीद बढ़ा दी है और वह इस प्रगति से खुश हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में आप देख सकते हैं कि स्थिति कैसे बदल रही है और यह वास्तव में व्यापक और ज्यादा दिलचस्प होता जा रहा है। कंपनी ने 2027 तक भारत से 10 अरब अमेरिका डालर के उत्पाद मंगाने का लक्ष्य रखा है जिसका उद्देश्य परिधान, खाद्य, खिलौने और अन्य श्रेणियों में निर्यात को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हम यहां से सीमित श्रेणियों के उत्पाद ले रहे थे लेकिन अब हम इसका विस्तार करने जा रहे हैं। सीईओ ने कहा कि इसमें बढ़ोतरी हुई है और अब हमारा लक्ष्य इसे प्रति वर्ष 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है, जो वास्तव में एक बड़ा आंकड़ा है और आपूर्तिकर्ता समुदाय के साथ मिलकर हम इसे प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। कंपनी के सीईओ भारत यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने वॉलमार्ट की भारत में विकास गाथा का उल्लेख किया जिसमें निर्यात, डिजिटल नवाचार, समावेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण व समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है। इसके अलावा उन्होंने कुछ विक्रेताओं से भी बातचीत की जिन्हें आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम 'वॉलमार्ट वृद्धि के तहत प्रशिक्षित किया गया है। अपनी ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट और डिजिटल भुगतान समाधान फोनपे के बारे में उन्होंने कहा कि इन व्यवसायों को बढ़ाने के लिए हमारे दलों ने सालों से जो कुछ किया है, वह प्रेरणादायक है।

वॉलमार्ट ने पिछले साल कहा था कि उसने अपने वैश्विक परिचालन के लिए पिछले दो दशकों में भारत के बाजार से 30 अरब डॉलर से ज्यादा का सामान मंगाया है।

संभव स्टील का खुला आईपीओ, कंपनी जुटाना चाहती है 540 करोड़

रिटेल निवेशक 2,366 शेयर के लिए कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली।

छत्तीसगढ़ की स्टील पाइप बनाने वाली कंपनी संभव स्टील ट्यूब्स का पब्लिक इश्यू आज यानी बुधवार से निवेश के लिए खुल गया। इस इश्यू के ज़रिए कंपनी 540 करोड़ जुटाना चाहती है। इश्यू का प्राइस बैंड 77 से 82 प्रति शेयर रखा गया है। इश्यू में 440 करोड़ के फ्रेश शेयर्स और 100 करोड़ का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी इश्यू ओपन होने से पहले 19 एंकर निवेशकों से 161.25 करोड़ पहले ही जुटा चुकी है। इस आईपीओ में एक लॉट में 182 शेयर रखे गए हैं। निवेशकों को कम से कम 182 शेयरों के लिए बोली लगानी पड़ेगी।

82 के ऊपरी दाम पर देखें तो एक लॉट के लिए न्यूनतम निवेश 14,924 बनता है। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी कुल 2,366 शेयर के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसकी कीमत करीब 1,94,012 होती है। इश्यू ओपन होने से पहले संभव स्टील के शेयर ग्रे मार्केट में 87 पर ट्रेड कर रहे थे, जो 82 के इश्यू प्राइस से 5 ज्यादा है यानी, ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 6.1 फीसदी का दिख रहा है। इश्यू के लिए सब्सक्रिप्शन विंडो 27 जून यानी शुक्रवार को बंद हो जाएगी। इसके बाद 30 जून को शेयरों का आवंटन होगा। कंपनी के शेयर 2 जुलाई बुधवार को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

कंपनी जेड हेरिंग प्रॉसपेक्टस के मुताबिक फ्रेश इश्यू से मिले 390 करोड़ का इस्तेमाल पुराने कर्जों को चुकाने में करेगी। बाकी रकम सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए रखी है। इससे कंपनी की ब्याज लागत घटेगी और बैलेंस शीट मजबूत होगी। इस आईपीओ का रजिस्ट्रार केफिन टेक्नालॉजिस्ट है, जबकि लीड मैनेजर के तौर पर लुवामा वेल्थ मैनेजमेंट और मोटेल ओसवाल इंवेस्टमेंट एडवाइजर जुड़े हैं।

एक जुलाई से बदल जाएंगे कई नियम, आपके बजट पर पड़ेगा असर

अब पैन कार्ड को आधार से लिंक कराना जरुरी, नहीं तो लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली।

एक जुलाई से आम लोगों के लिए कई बदलाव हो रहे है। रेलवे टिकट बुकिंग, क्रेडिट कार्ड पेमेंट, ऑनलाइन वॉलेट ट्रांजैक्शन और पैन कार्ड जैसे ज़रूरी कामों के नियम बदले जा रहे हैं। ये छोटे-छोटे बदलाव आपके बजट पर बड़ा असर डाल सकते हैं। एक जुलाई से तत्काल टिकट बुक करने का तरीका बदल जाएगा। अब आईआरसीटीसी की वेबसाइट या मोबाइल ऐप से तत्काल टिकट बुक करते समय यात्रियों को मोबाइल पर एक ओटीपी भेजा जाएगा। जब तक यात्री वह ओटीपी सिस्टम में दर्ज नहीं करेगा, तब तक टिकट कंफर्म नहीं होगा। इस नए प्रोसेस से टिकटों की सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ेगी। बैंकिंग सेक्टर में खासकर क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में एचडीएफसी बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए कई नए चार्ज लगाए हैं। अगर आप एचडीएफसी कार्ड से ड्रीम11, एमपीएल, रुम्मी कल्चर जैसे गेमिंग ऐप्स पर महीने में 10,000 से ज्यादा खर्च करते हैं, तो आपको 1 फीसदी अतिरिक्त शुल्क देना होगा। यही चार्ज पेटीएम, मोबिक्विक, फ्रीचार्ज जैसे वॉलेट्स में 10,000 से ज्यादा लोड करने पर भी लगेगा। इसके अलावा यूटिलिटी बिल जैसे बिजली, पानी, गैस आदि पर 50,000 से ज्यादा भुगतान होने पर भी 1 फीसदी का अतिरिक्त चार्ज लगेगा। अगर किसी महीने में फ्यूल पर 15,000 से ज्यादा का खर्च करते हैं, तो वहां भी यही शुल्क लागू होगा। आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपने ग्राहकों के लिए एटीएम ट्रांजैक्शन से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। अब आईसीआईसीआई बैंक ग्राहक अगर किसी अन्य बैंक के एटीएम से महीने में तीन बार से ज्यादा पैसे निकालते हैं, तो प्रत्येक अतिरिक्त फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 23 और नॉन-फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन पर 8.50 चार्ज देना होगा। इससे बैंकिंग से जुड़े खर्चों में बढ़ोतरी होगी। क्रेडिट कार्ड बिल पेमेंट को लेकर भी एक अहम बदलाव किया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियमों के मुताबिक एक जुलाई से सभी क्रेडिट कार्ड बिल का भुगतान अब भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) के जरिए ही किया जा सकेगा। इससे फोनपे, सीआरईडी, बिलडेस्क जैसे प्लेटफॉर्म पर असर पड़ेगा, क्योंकि अब तक केवल आठ बैंकों ने बीबीपीएस पर यह सुविधा शुरू की है।इसके अलावा, पैन कार्ड बनवाने के नियम भी बदल गए हैं। अब नया पैन कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड देना जरुरी होगा।

संभव स्टील का खुला आईपीओ, कंपनी जुटाना चाहती है 540 करोड़

रिटेल निवेशक 2,366 शेयर के लिए कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली।

छत्तीसगढ़ की स्टील पाइप बनाने वाली कंपनी संभव स्टील ट्यूब्स का पब्लिक इश्यू आज यानी बुधवार से निवेश के लिए खुल गया। इस इश्यू के ज़रिए कंपनी 540 करोड़ जुटाना चाहती है। इश्यू का प्राइस बैंड 77 से 82 प्रति शेयर रखा गया है। इश्यू में 440 करोड़ के फ्रेश शेयर्स और 100 करोड़ का ऑफर फॉर सेल शामिल है। कंपनी इश्यू ओपन होने से पहले 19 एंकर निवेशकों से 161.25 करोड़ पहले ही जुटा चुकी है। इस आईपीओ में एक लॉट में 182 शेयर रखे गए हैं। निवेशकों को कम से कम 182 शेयरों के लिए बोली लगानी पड़ेगी। 82 के ऊपरी दाम पर देखें तो एक लॉट के लिए न्यूनतम निवेश 14,924 बनता है। रिटेल निवेशक अधिकतम 13 लॉट यानी कुल 2,366 शेयर के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसकी कीमत करीब 1,94,012 होती है। इश्यू ओपन होने से पहले संभव स्टील के शेयर ग्रे मार्केट में 87 पर ट्रेड कर रहे थे, जो 82 के इश्यू प्राइस से 5 ज्यादा है यानी, ग्रे मार्केट प्रीमियम करीब 6.1 फीसदी का दिख रहा है। इश्यू के लिए सब्सक्रिप्शन विंडो 27 जून यानी शुक्रवार को बंद हो जाएगी। इसके बाद 30 जून को शेयरों का आवंटन होगा। कंपनी के शेयर 2 जुलाई बुधवार को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी जेड हेरिंग प्रॉसपेक्टस के मुताबिक फ्रेश इश्यू से मिले 390 करोड़ का इस्तेमाल पुराने कर्जों को चुकाने में करेगी। बाकी रकम सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए रखी है। इससे कंपनी की ब्याज लागत घटेगी और बैलेंस शीट मजबूत होगी। इस आईपीओ का रजिस्ट्रार केफिन टेक्नालॉजिस्ट है, जबकि लीड मैनेजर के तौर पर लुवामा वेल्थ मैनेजमेंट और मोटेल ओसवाल इंवेस्टमेंट एडवाइजर जुड़े हैं।

भारत ने गंवाया लीड्स टेस्ट, इंग्लैंड ने हासिल की रिकॉर्डतोड़ जीत

लीड्स (एजेंसी)। बेन डकेट (149) की शतकीय, जैक क्रॉली (65) और जो रूट (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत इंग्लैंड ने पेहले टेस्ट मैच के पांचवें एवं आखिरी दिन मंगलवार को भारत को पांच विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ इंग्लैंड ने टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली है। भोजनकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड को पहला झटका प्रसिद्ध कृष्णा ने जैक क्रॉली (65) को आउटकर दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये पहली पारी के शतकवीर ऑली पोप (आठ) को भी प्रसिद्ध कृष्णा ने बोल्ड कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद शार्दुल ठाकुर ने बेन डकेट को नीतीश कुमार रेड्डी के हाथों कैच आउट कराकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। बेन डकेट ने 170 गेंदों में 21 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रनों की पारी खेली। इसी ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक (शून्य) को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर (दो-दो विकेट) के झटको को झेलते हुए इंग्लैंड ने मैदान गिला होने के कारण खेल रोके जाने के समय चायकाल तक चार विकेट पर 269 रन बना लिये थे। चायकाल के बाद रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (33) को आउट कर भारत पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जेमी स्मिथ ने जो रूट के साथ पारी को संभाला और धैर्य के साथ बल्लबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत की ओर ले गये। इंग्लैंड ने 82 ओवर में पांच विकेट पर 373 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। जो रूट (53) और जेमी स्मिथ (44) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की हार कारण खराब क्षेत्ररक्षण रहा। भारतीय खिलाड़ियों ने कई कैच छोड़े जिसका खामियाजा हार के रूप में सामने आया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा, शार्दुल ठाकुर ने दो-दो विकेट लिये। रवींद्र जडेजा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में कल के 21 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। जैक क्रॉली और बेन डकेट की सलामी जोड़ी ने संयम का परिचय देते हुए भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया और रन भी बटोरे। भोजनकाल तक इंग्लैंड ने 30 ओवरों में बिना कोई विकेट खोए 117 रन बना लिये और टीम के मैच जीतने की उम्मीद जगाई। उल्लेखनीय है कि भारत ने पहली पारी में यशस्वी जायसवाल, कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय

पारियों की बदौलत 471 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 465 रन का स्कोर बनाया था। भारत ने दूसरी पारी में 364 रन का स्कोर बनाया था और उसके पहली पार में सात रन की बढ़त मिली थी।

शार्दुल ठाकुर दूसरे टेस्ट से हो सकते हैं बाहर, इस खिलाड़ी को मिल सकता है मौका, मुख्य कोच ने दिया इशारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में शार्दुल ठाकुर से कम गेंदबाजी कराने के कप्तान शुभमन गिल के फैसले का बचाव किया लेकिन दो जुलाई से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में उनके चयन को सही ठहराना मुश्किल होगा। दिसंबर 2023 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेल रहे शार्दुल का तेज गेंदबाजी में अच्छा उपयोग नहीं हुआ और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भी टीम को निराश किया। उन्होंने दो पारियों में 20 गेंदों पर कुल पांच रन बनाए।

शार्दुल ने मैच की पहली पारी में सिर्फ छह ओवर और दूसरी पारी में 10 ओवर गेंदबाजी की। ऐसे में विशेषज्ञ गेंदबाज की जगह उन्हें तरजीह देने पर सवाल उठ रहे हैं। शार्दुल ने मैच के पांचवें दिन हालांकि लगातार दो विकेट लेकर भारत की जीत की उम्मीदें जगा दी थी लेकिन उनकी गेंदबाजी में धार और पैनापन नहीं था। उन्होंने और प्रसिद्ध कृष्णा ने बहुत सारी कमजोर गेंदें फेंकी, जिससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना। भारत को इस पांच दिवसीय मैच में ज्यादातर समय तक दबदबा बनाये रखने के बावजूद हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बावजूद टीम को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। एजबेस्टन टेस्ट के लिए हालांकि अंतिम एकादश में कुछ बदलाव तय हैं। विशेषज्ञों ने श्रृंखला के पहले मैच में कुलदीप यादव को शामिल करने की मांग की थी और अब बर्मिंघम में स्पिनरों की मदद करने वाली पिच पर शार्दुल की जगह उन्हें शामिल किए जाने की संभावना है। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने कहा, 'कुलदीप को टीम में होना चाहिए। चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलने का कोई मतलब नहीं है। शार्दुल या प्रसिद्ध में से कोई भी उनके लिए जगह बना सकता है।'

छह कैच छोड़ने के बाद भी नाच रहे यशस्वी पर भड़के प्रशंसक

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट में अपने खराब क्षेत्ररक्षण के कारण प्रशंसकों के निशाने पर हैं। इस मैच में यशस्वी ने 6 कैच छोड़े, इसके बाद भी वह मैदान पर डांस कर रहे थे। जिससे भारतीय प्रशंसक भड़क गये क्योंकि इस मैच में भारतीय टीम को बड़े स्कोर के बाद भी हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी पारी में बेन डकेट का कैच छोड़ने के कुछ ही देर बाद यशस्वी के डांस पर प्रशंसक बेहद नाराज दिखे। डकेट ने इस मैच में शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। भारतीय टीम की हार का कारण यशस्वी का कैच छोड़ना रहा। यशस्वी ने दोनों पारियों में कुल मिलकाकर 6 से ज्यादा कैच छोड़े। मैच का उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। उसमें वह डकेट का कैच छोड़ने के कुछ ही देर बाद मुस्कुराते और डांस करते दिख रहे हैं। डकेट जब 97 के स्कोर पर थे तभी कैच गिरने के बाद भी उन्होंने 149 रन की मैच विजेता पारी खेली। वह प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी। यशस्वी ने भारतीय टीम की ओर से पहली पारी में शतक लगाया था पर खराब क्षेत्ररक्षण से उन्होंने अब बेकार कर दिया।

एक भारतीय प्रशंसक ने यशस्वी

के वीडियो क्लिप के साथ पोस्ट किया, 'टीम हार रही है और वह डांस कर रहे हैं। ये बेशर्मी हैं, वहीं एक अन्य ने कटाक्ष किया, 'यशस्वी एक ही मैच में 7 कैच टपकाने के बाद खुशी से नाच रहे हैं। इंग्लैंड को उन्होंने अपने बल पर जीतने में सहायता की।'

वहीं एक प्रशंकस ने कहा कि अगर अभी रोहित शर्मा कप्तान होते तो यशस्वी को थप्पड़ लग गये होते। वहीं कुछ लोगों को कहना कि अगर इसमें भारतीय टीम जीतती तो कैच छोड़ने पर भी यशस्वी की आलोचना नहीं होती इस टेस्ट में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 471 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 465 रन बनाए। भारत की दूसरी पारी में 364 रन बनाये। मेजबान इंग्लैंड ने जीत के लिए मिले 372 रनों के लक्ष्य को बेन डकेट और जैक क्रॉली के विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी की सहयता से हासिल कर लिया।

नीरज ने ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स में स्वर्ण जीता

ओस्ट्रावा (एजेंसी)। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने चेक गणराज्य में हुए 64वें ओस्ट्रावा गोल्डन इस्पाइक एथलेटिक्स एथलेटिक्स टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। नीरज ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में अपने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। वहीं दक्षिण अफ्रीका के डौव स्मिट 84.12 मीटर भाला फेंककर दूसरे जबकि ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.63 मीटर भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे।

नीरज की यह सत्र की तीसरी जीत रही। इससे पहले वह पोटचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) में

84.52 मीटर भाला फेंककर और पेरिस डायमंड लीग - में 88.16 मीटर भाला फेंककर पहले स्थान पर रहे थे। इस सत्र में नीरज अब तक एक बार ही 90 मीटर के आंकड़े तक पहुंच पाये हैं। डोहा डायमंड लीग में नीरज ने पहली बार 90.23 मीटर भाला फेंककर 90 मीटर का आंकड़ा पार किया था पर वह जूलियन वेबर 91.06 मीटर से पिछड़ गये। पोलैंड के जानुस कुशोचिंस्की मेमोरियल में नीरज 84.14मीटर भाला फेंककर एक बार फिर वेबर 86.12 मीटर से पिछड गये।

अब नीरज बेंगलुरु में अगले माह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का इवेंट आयोजित कर रहे हैं। इसमें वह दुनिया भर के शीर्ष स्तर के भाला फेंक खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा करेंगे। ये भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक इवेंट होगा। इस इवेंट का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्टस एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और विश्व एथलेटिक्स मिलकर करेंगे। नीरज इस इवेंट के जरिये अपने प्रदर्शन को और निखारना चाहेंगे।

भारत के 9 वर्षीय खिलाड़ी ने विश्व नम्बर 1 मैग्नस कार्लसन को ड्रॉ पर रोका

नई दिल्ली। दिल्ली के नौ वर्षीय आरित कपिल एक प्रमुख ऑनलाइन मंच पर आयोजित 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' शतरंज टूर्नामेंट में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। हाल ही में अंडर-9 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में उप-विजेता रहे आरित ने पांच बार

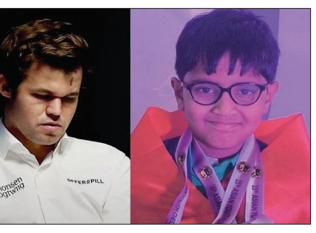

के विश्व चैम्पियन कार्लसन को हार के कगार पर पहुंचा दिया था लेकिन समय समाप्त होने और घड़ी में केवल कुछ सेकंड बचे होने के कारण यह युवा भारतीय खिलाड़ी अपनी बढ़त को भुनाने में असमर्थ रहा और उसे ड्रॉ पर मजबूर होना पड़ा। आरित ने जॉर्जिया के अपने होटल से इस प्रतियोगिता में भाग लिया, जहां वह वर्तमान में अंडर-10 विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे हैं। इस बीच भारत के वी प्रणव ने 11 में से 10 अंक लेकर 'अर्ली टाइटल्ड ट्यूजडे' का खिताब जीत लिया। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर हैंस मोके नीमन और कार्लसन दोनों ने 9.5 अंक हासिल किए, लेकिन नीमन ने टाईब्रेक में दूसरा स्थान हासिल किया।

टीम नहीं जीती तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का मतलब नहीं : गंभीर

लीड्स (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के दो शतक को लेकर कहा कि अगर टीम जीत नहीं पाती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियों का कोई मतलब नहीं रह जाता। वहीं जब उनसे इंग्लैंड के हाथों पहले टेस्ट में मिली हार के बीच भी सकारात्मक बातों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सबसे अहम परिणाम होता है जो टीम अपने पक्ष में नहीं ला पायी। वहीं गंभीर से जब ऋषभ के दो शतकों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''तीन और शतक बने थे। ये सब सकारात्मक बातें हैं।''

वहीं मैच के सकारात्मक पहलुओं के बारे में पूछने पर गंभीर ने कहा, ''अगर आप कहते कि यशस्वी जायसवाल ने शतक जमाया और शुभमन गिल ने कप्तान के तौर पर पहले ही मैच में शतक लगाया तो मुझे अच्छा लगता। इसके अलावा केएल राहुल ने भी शतक लगाया और ऋषभ ने दो शतक लगाये। एक टेस्ट में पांच शतक बड़ी बात है। यह सवाल बेहतर हो सकता था।'' कोच ने कहा कि अगर टीम हारती है तो व्यक्तिगत उपलब्धियां काम नहीं आतीं। उन्होंने हालांकि कहा, ''ये सब सकारात्मक पक्ष हैं। जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिये पर अंत में तो टीम हार ही गयी।'' उन्होंने कहा, ''व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छी बात है। हमें शीर्ष छह से बड़ी पारियां चाहिये थी पर अंत में तो हम टेस्ट मैच जीत नहीं सके। अब हमें इससे सीख लेकर आगे बढ़ना होगा।''

आईसीसी रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंचे ऋषभ

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। ऋषभ को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दो शतक लगाने से लाभ हुआ है। इससे वह एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऋषभ के अभी 801 रेटिंग अंक हैं। यह उनके करियर की सबसे अच्छी रेटिंग है। उन्होंने लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 134 और दूसरी पारी में 118 रन बनाए थे। भारतीय टीम कप्तान शुभमन गिल को भी शतक लगाने से लाभ हुआ है और पांच स्थान ऊपर आये हैं। शुभमन ने 147 रन बनाये थे जिससे अब वह 20 वें नंबर पर पहुंच गये हैं। भारत के यशस्वी जायसवाल ने भी पहले टेस्ट में शतक लगाया था। जिससे वह चौथे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट को बल्लेबाजों की सूची में पांच स्थान का लाभ हुआ है। इससे डकेट अब आठवें पायदान पर पहुंच गए हैं। डकेट की 149 रनों की पारी से इंग्लैंड को जीत मिली। डकेट ने पहली पारी में अर्धशतक लगाया था।

भारत के निचले क्रम को दो बार आउट करना निर्णायक रहा : बेन स्टोक्स

लीड्स। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पहले टेस्ट में भारत पर मिली पांच विकेट से जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया है जिन्होंने भारत के निचले क्रम को दो बार आउट किया। जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली ने पहले विकेट के लिए 188 रन की साझेदारी की। स्टोक्स ने हालांकि कहा कि मैच का पलड़ा उसी समय उनके पक्ष में हो गया था जब इंग्लैंड के गेंदबाजों ने भारत को बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

उन्होंने मैच के बाद कहा, 'यह बल्लेबाजी के लिए अच्छी विकेट थी। बड़े स्कोर से इसका पता चलता है। लेकिन मैच का निर्णायक पल यही था कि हमने दो बार भारत के निचले क्रम को आउट कर दिया। इसी वजह से हम उन्हें बड़ा स्कोर बनाने से रोक पाए और विशाल लक्ष्य नहीं मिला जिसे पाना मुश्किल हो जाता। हमने उन्हें 450-500 से आगे नहीं जाने दिया जो वह एक समय बनाते दिख रहे थे।' भारत ने पहली पारी में आखिरी छह विकेट 41 रन के भीतर गंवा दिए और दूसरी पारी में भी आखिरी छह विकेट 34 रन के भीतर गिर गए। स्टोक्स ने कहा, 'जीत के लिए 371 रन के लक्ष्य के जवाब में अच्छी शुरूआत चाहिए थी। ऐसे में विकेट बचाकर खेलना जरूरी था। डकेट और जैक ने जिस तरह से खेला, वह काबिले तारीफ है। दोनों एक दूसरे के पूरक बनकर खेले। दाहिने, बाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन के सामने गेंदबाजों को मुश्किल हुई होगी।'

ऋषभ इस सीरीज के अंत तक तोड़ सकते हैं द्रविड़ का रिकार्ड : मांजरेकर

लीड्स (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि जिस प्रकार से ऋषभ खेल रहे हैं। उससे वह इस सीरीज के अंत तक इंग्लैंड में सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकाउर राहुल द्रविड़ के नाम है। ऋषभ ने पहले टेस्ट की दोनो ही पारियों में शतक लगाये हैं। इससे ऋषभ के इंग्लैंड में टेस्ट शतकों की संख्या 4 हो गई है, जो द्रविड़ 6 शतक से सिर्फ 2 कम है, और मांजरेकर को लगता है कि सीरीज में चार टेस्ट शेष रहने पर वह इंग्लैंड में सबसे अधिक टेस्ट शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बनने के लिए पूर्व कप्तान की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे निकल सकते हैं।

उन्होंने कहा, ऋषभ इस टेस्ट टीम में विकेटकीपर के रूप में भारत की पहली

और आखिरी पसंद हैं। अब अगर आप संख्याओं को देखें तो इंग्लैंड में टेस्ट में भारतीयों द्वारा सबसे अधिक 6 शतक साथ द्रविड़ सबसे आगे हैं। अचानक आपके पास उसी विशिष्ट वर्ग में ऋषभ का नाम है। उन्होंने कहा, आपके पास केएल राहुल हैं और आपके पास ऋषभ हैं। कौन जानता है, जब तक यह सीरी समाप्त होगी, ऋषभ द्रविड़ की बराबरी कर सकते हैं या उनसे आगे भी निकल सकते हैं। इस सीरीज में अभी चार टेस्ट मैच होने हैं जो कि ऋषभ के लिए संभावित रूप से 8 पारियां हैं। उन्होंने पहले ही लगभग शानदार शुरुआत कर दी है। ऋषभ दूसरी पारी में 140 गेंदों पर 118 रन बनाकर आउट हो गए। केएल राहुल ने पहली पारी में बल्ले से भी प्रभावशाली रहे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने दूसरी पारी में शतक लगा दिया। ऋषभ और राहुल ने चौथे विकेट के लिए 195 रन जोड़े, जो इंग्लैंड में टेस्ट मैच की दूसरी पारी के दौरान चौथे विकेट के लिए भारत की अब तक की सबसे बड़ी साझेदारी है।

राहुल के योगदान और तकनीक के बारे में बात करते हुए मांजरेकर ने कहा, केएल की एकमात्र आलोचना निरंतरता है जो महानता का एक महत्वपूर्ण पैमाना है। लेकिन बल्लेबाजी तंत्र पर वह लगभग दोषरहित है। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, दक्षिण अफ्रीका हो, इंग्लैंड हो या न्यूजीलैंड, उनकी तकनीक में कोई स्पष्ट कमजोरी नहीं दिखती। यही कारण है कि वह सेना देशों में सफल हैं, पांच टेस्ट शतकों के साथ एशियाई सलामी बल्लेबाजों में सुनील गावस्कर के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

हीली अभी नहीं लेंगी संन्याय

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह इसी साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के बाद भी खेलती रहेंगी। 35 साल की इस क्रिकेटर ने कहा है कि वह साल 2026 में भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज तक तो रहेंगी ही। हीली पिछले साल से ही लगातार चोटों से परेशान रही हैं, टी20 विश्व कप के दौरान उनके पैर में स्ट्रेस फेक्क्र भी हुआ था। इसके बाद घुटने में दर्द के कारण उन्हें कई मैचों से बाहर होना पड़ा। हीली ने माना है कि पहले वह इस साल भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बाद संन्यास लेने का सोच रहीं थीं पर अब उनका इरादा बदल गया है। हीली ने कहा, '' मेरे संन्यास लेने की तारीख बदल गई है। फिटनेस में आ रही परेशानी के कारण मैं अब भी शायद जितना सोचा था, उससे थोड़ा अधिक करना चाहती हूं।'' वह ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से की घरेलू मैदान पर एशेज जीत के दौरान कुछ मैच खेलीं पर फिट नहीं होने के कारा न्यूजीलैंड के दौरे और भारत में महिला प्रीमियर लीग में भाग नहीं ले पाईं। हीली ने कहा, ''कभी-कभी जीवन में ऐसी चीजें होती हैं जो हरे और सुनहरे रंग की जर्सी पहनने से थोड़ी अधिक अहम होती हैं। इसलिए यह केवल आंकलन है।''

शुभमन गिल ने पहले टेस्ट में हार की वजह बताई, इन खिलाड़ियों पर निकाली भड़ास

लीड्स। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में पांच विकेट से मिली हार के बाद स्वीकार किया कि निचले क्रम के बल्लेबाजों से रन नहीं बन पाना हार का अहम कारण रहा। उप-कप्तान ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शतक जमाया जबकि गिल, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भी शतक बनाये लेकिन भारत दोनों पारियों में अपेक्षित बड़ा स्कोर नहीं बना सका और कई अहम कैच भी छूटे। पहली पारी में एक समय स्कोर तीन विकेट पर 359 रन रहने के बाद पूरी टीम 471 रन पर आउट हो गई। दूसरी पारी में भी आखिरी छह विकेट 77 रन के भीतर गिर गए। गिल ने मैच के बाद कहा, 'यह शानदार टेस्ट मैच था। हमारे पास मौके थे लेकिन हमने कैच छोड़े और निचले क्रम से भी रन नहीं बने। लेकिन टीम पर गर्व है और कुल मिलाकर अच्छा प्रयास था। कल हम 430 के

करीब रन बनाकर पारी घोषित करने की सोच रहे थे लेकिन निचले क्रम पर रन नहीं बनने से मुश्किल हो गई।' उन्होंने कहा, 'हमने निचले क्रम के योगदान पर बात की लेकिन यह इतनी जल्दी (विकेटों का पतन) हो गया। हमें आने वाले मैचों में इसमें सुधार करना होगा।' उन्होंने कैच छूटने पर अपने क्षेत्ररक्षकों का बचाव करते हुए कहा, 'इस तरह की विकेटों पर आसानी से मौके नहीं मिलते। यह युवा टीम है और सीख रही है। उम्मीद है कि इन पहलुओं पर आगे बेहतर प्रदर्शन होगा।' गिल ने कहा कि दो जुलाई से बर्मिंघम में होने वाले दूसरे टेस्ट में समय है और जसप्रीत बुमराह को लेकर मैच से पहले फैसला लिया जाएगा। बुमराह की उपलब्धता पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हम मैच दर मैच देखेंगे। दूसरे टेस्ट के करीब आने पर फैसला लिया जाएगा।'

शुभमन गिल की मैदान पर आभा रोहित और विराट जैसी प्रभावशाली नहीं : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान

लीड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के शुरूआती टेस्ट में पांच विकेट से शिकस्त मिलने के बाद भारत के नए कप्तान शुभमन गिल की रणनीति की आलोचना के बीच पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि 'मैदान पर उनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसा आभा नहीं दिखी।' भारत को इस मैच में पांच शतकीय पारियों के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड ने मंगलवार को मैच के पांचवें दिन 371 रन का लक्ष्य पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टीम ने इसके साथ ही श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली।

रोहित शर्मा के बाद कप्तान के रूप में अपने पहले टेस्ट में गिल को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और हुसैन ने कहा कि यह युवा खिलाड़ी कप्तान के तौर पर 'सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा' था। हुसैन ने कहा, 'मैंने देखा कि कोई तरीका ढूंढने की कोशिश कर रहा था। उसके (गिल) पास मैदान पर रोहित और (विराट कोहली) जैसी आभा नहीं दिखी। मुझे लगा कि वह सक्रिय होने के बजाय प्रतिक्रिया दे रहा था।'

उन्होंने कहा, 'जब रोहित और कोहली टीम की कप्तानी कर रहे थे तब आपको देख कर ही समझ आ जाता था कि कौन नेतृत्व कर रहा है लेकिन इस मैच में मुझे लगा कि दो या तीन कप्तान है। ऐसा लगा जैसे एक समिति टीम का नेतृत्व कर रही है।' हुसैन ने कहा कि भारत मैच इसलिए हार गया क्योंकि गिल दो चीजों (कैच छोड़ना और निचले क्रम के बल्लेबाजों का घुटने टेकना) को नियंत्रित नहीं कर सके।

उन्होंने कहा, 'टीम की यह स्थिति मुझे चिंतित करती है। भारत के पास लंबे समय से रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल जैसे शानदार स्पिन-गेंदबाजी हरफनमौला रहे हैं। वे हालांकि इंग्लैंड में अब भी एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की तलाश कर रहे हैं जो बल्लेबाजी कर सके।' इंग्लैंड के लिए 1990 से 2004 के बीच 96 टेस्ट खेलने वाले इस 57 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'भारतीय टीम अगर 31 रन पर छह विकेट और 41 रन पर सात विकेट गंवाते रही तो तो इस श्रृंखला का परिणाम जल्दी तय हो जाएगा।'

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि गिल ने 'उनसे जितना अपेक्षित था, उससे कहीं अधिक किया है।' शास्त्री ने कहा, 'इस परिणाम के बावजूद कोचिंग स्टाफ के लिए इस मैच में कई सकारात्मक पहलू है। गिल ने एक कप्तान के रूप में उससे कहीं अधिक किया है, जितना अपेक्षित था।' शास्त्री ने कहा, '' उन्होंने अपने पहले टेस्ट में शतक बनाया। खिलाड़ियों का कैच छोड़ना उसके नियंत्रण में नहीं है।'

गिल ने भारत की पहली पारी में 471 रन के कुल स्कोर में 147 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी में आठ रन बनाए। शास्त्री ने कहा, 'भारत के लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा। आप अक्सर ऐसी स्थिति में नहीं आते और वहां से हार मान लेते हैं। उनके पास इंग्लैंड को मुकाबले से बाहर करने के कई मौके थे।' शास्त्री ने कहा, 'उन्हें सीखना होगा और उन्हें निचले क्रम के बल्लेबाजों से अधिक सहयोग की जरूरत है। आपको अपने विकेट की कीमत को समझना होगा।'

पूर्व भारतीय हरफनमौला ने यह भी कहा कि टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दो जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर वह आराम की सोच रहे थे तो आपको दो बार सोचना पड़ सकता है। बुमराह अगर उस मैच को नहीं खेलते हैं और आप 2-0 से पिछड़ जाते हैं तो वापसी करना काफी कठिन होगा।' मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले बुमराह की योजना इस श्रृंखला में तीन मैच खेलने की है। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का भी मानना है कि भारत के पास

टेस्ट जीतने के मौके थे लेकिन उन्होंने उन्हें गंवा दिया। ब्रॉड ने कहा, 'जब आप इस तरह का टेस्ट मैच जीतते हैं तो यह एक शानदार एहसास होता है। भारत के पास इस मैच को नियंत्रित करने के कई मौके थे।' उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड ने बस संघर्ष किया और कड़ी टक्कर दी। लक्ष्य का पीछा करने के मामले में यह शानदार परिणाम था। डकेट ने शानदार प्रदर्शन किया। यह अविश्वसनीय है कि यह टीम लगातार ऐसा कर रही है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इथियोपिया में जमीन और आसमान से बरसती है आग डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

इस धरती पर सभी जगहें और उनका तापमान एक जैसा नहीं होता है. हर जगह अलग-अलग मौसम और टेंपरेचर देखने को मिलता है. कहीं बहुत ठंड होती है तो कहीं बहुत गर्मी. ऊंचाई, भूमध्य रेखा से दूरी और समुद्री धाराओं के प्रभाव जैसे कई फैक्टर्स के कारण अलग-अलग जगहों पर तापमान अलग-अलग होता है.

पृथ्वी पर सबसे अजीब जगहों और नरक के प्रवेश द्वार और यहां तक कि मौत की भूमि के रूप में जाना जाने वाला दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया के सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में से एक है. गर्म झरने, एसिड पूल, नमक के पहाड़ और भाप से भरी दरारें इसे एक दूसरे ग्रह जैसा बनाती हैं, और यही कारण है कि वैज्ञानिक सौर मंडल के अन्य ग्रहों के बारे में शोध करने के लिए इस स्थान का उपयोग करते हैं.

डानाकिल डिप्रेशन, जिसे अफार त्रिभुज भी कहा जाता है, इथियोपिया में स्थित एक जियोलॉजिकल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे है. यह दुनिया के सबसे गर्म और सबसे निचले स्थानों में से एक है, जहां तापमान 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो सकता है. यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेटों के जंक्शन पर स्थित है, जिसके परिणामस्वरूप ज्वालामुखी गतिविधि और दरार घाटियों का निर्माण होता है.

डानाकिल डिप्रेशन कैसे बना?

दानाकिल इथियोपिया के सुदूर नॉर्थ ईस्ट भाग में स्थित जियोलॉजिकल डिप्रेशन अफार ट्रायंगल का एक हिस्सा है, जहां तीन टेक्टोनिक प्लेटें धीरे-धीरे अलग हो रही हैं. यह क्षेत्र लाल सागर का हिस्सा हुआ करता था. समय बीतने के साथ, ज्वालामुखी विस्फोट के कारण समुद्र भाप में बदल गया और उस स्थान से गायब हो गया.

आज से लगभग 50,000 साल पहले, इथियोपिया लाल सागर और अरब सागर से जुड़ा हुआ था, जिससे विशाल एडियन सागर बना था. लेकिन, जलवायु परिवर्तन और भू-आकृति में बदलाव के कारण, एडियन सागर धीरे-धीरे सिकुड़ गया और अंतत: गायब हो गया, जिससे इथियोपिया लैंडलॉक बन गया.

कैसा है यहां का क्लाइमेट

यहां का तापमान बहुत ज्यादा होता है और बारिश बहुत कम होती है. यहां पीले, नारंगी, लाल, नीले और हरे रंग की झीलें देखने को मिलती हैं. इन झीलों में रंग मैग्मा में मौजूद खनिजों और नमक के बीच प्रतिक्रिया से उत्पन्न होते हैं. यानी जब नमक मैग्मा में मौजूद खनिजों के साथ प्रतिक्रिया करता है, तो यह इन खूबसूरत रंगों को जन्म देता है. जैसे ही गर्मी पानी को वाष्पित करती है, जमीन पर रंगीन पपड़ी जैसी परतें विकसित होती हैं, जो रहस्यमय तरीके से डिप्रेशन में ठंडी फिरोजा झीलों के साथ मिल जाती हैं. वहीं, दानाकिल डिप्रेशन इथियोपिया में स्थित एक जगह है जहां सल्फ्यूरिक एसिड से भरी झीलें हैं, जिन्हें एसिड लेक या सल्फ्यूरिक पूल के रूप में जाना जाता है. ये झीलें पृथ्वी पर सबसे गर्म और नमकीन झीलों में से हैं.

अगर आप डानाकिल डिप्रेशन की यात्रा की योजना बना रहे हैं इसे ध्यान में रखें

डानाकिल बहुत गर्म और एसिडिक जगह है, इसलिए अगर आपको वहां कोई गीला तालाब या बुदबुदाता पूल दिखे तो उसमें अपनी उंगली न डुबोएं. इसके साथ ही उस क्षेत्र में चलने के लिए उपयुक्त जूते पहनें, भू-आकृति क्षेत्रों पर सावधानी से चलें, सही रास्ते और कहां कदम रखना है इसका ध्यान रखें, उस जगह पर घूमने के लिए स्थानीय गाइड की मदद लें इस क्षेत्र में घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच है. हालांकि, तब भी तापमान बहुत अधिक और असहनीय होता है. दानाकिल डिप्रेशन के लिए दिन की यात्राएं आमतौर पर विक्रो शहर से सुबह 4 :00 बजे के आसपास शुरू होती हैं. इस जगह पर जाने के लिए हेलीकॉप्टर की सवारी भी उपलब्ध है.

फटी एड़ियों को सॉफ्ट और स्मूद बनाने के आसान घरेलू उपाय

पैरों की देखभाल के लिए हम अक्सर पेडीक्योर करवाते हैं, लेकिन फिर भी बहुत बार पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनकी त्वचा कठोर हो जाती है। यही नहीं, सर्दी या गर्मी में त्वचा और भी ज्यादा रूखी और ड्राई हो जाती है। इसके बावजूद, सही देखभाल से आप अपनी एड़ियों को सॉफ्ट और मुलायम बना सकती हैं। इसके लिए आपको किसी महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं है। सिर्फ कुछ घरेलू उपाय अपनाकर आप फटी एड़ियों को फिर से सॉफ्ट और चिकना बना सकती हैं।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए जरूरी सामग्री

वैसलीन – 1 बड़ा चम्मच

नारियल तेल – ङ्ग छोटा चम्मच

विटामिन श्व कैप्सूल – 2

पिघला हुआ मोम – थोड़ी सी मात्रा

इन सभी चीजों को एक बाउल में सही अनुपात में डालकर अच्छे से मिला लें। आप चाहें तो इन सामग्रियों को माइक्रोवेव में हल्का गर्म कर सकती हैं या फिर डबल बॉयलर का इस्तेमाल कर सकती हैं। ध्यान रखें कि मिश्रण हल्का गुनगुना ही रहे, न बहुत गरम हो।

मुलायम और सॉफ्ट एड़ियां बनाने के लिए तरीका

मिश्रण तैयार करने के बाद, इसे अपनी फटी एड़ियों पर अच्छे से लगाएं। इस मिश्रण को कम से कम 20 मिनट तक एड़ियों पर लगा रहने दें ताकि यह त्वचा में अच्छे से समा जाए। 20 मिनट के बाद इसे हल्के हाथों से साफ कर लें।

इस ट्रीटमेंट से मिलने वाले फायदे

यह आपकी एड़ियों को मुलायम, चिकना और शाइनी बनाएगा। स्किन की ड्राईनेस को कम करेगा और त्वचा को नमी देगा। नियमित रूप से इस ट्रीटमेंट के इस्तेमाल से आपके पैरों की त्वचा स्वस्थ और कोमल बनेगी। यह घरेलू उपाय न केवल आपकी एड़ियों को ठीक करता है, बल्कि इससे आपके पैरों की त्वचा को भी कई फायदे होते हैं। तो अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो यह आसान और सस्ते उपाय जरूर आजमाएं और अपने पैरों को दें एक नई जान। अगर आपको यह आर्टिकल पसंद आया हो, तो इसे अपने दोस्तों के साथ जरूर शेयर करें और नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में अपनी राय हमें जरूर बताएं!

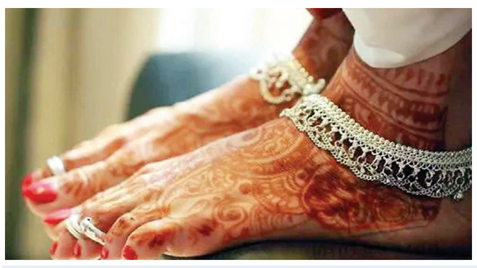

शादीशुदा महिलाओं को क्यों पहनने चाहिए चांदी के आभूषण

हिंदू धर्म में आभूषणों को बहुत महत्व दिया जाता है. हिंदू धर्म में विवाहित महिलाओं के लिए सोलह श्रृंगार करना विशेष महत्व रखता है. इन्हीं में से एक है चांदी की पायल, जो आपने ज्यादातर भारतीय महिलाओं के पैरों में देखी होगी. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि शादी के बाद महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं? शास्त्रों में इन्हें पहनने के पीछे विशेष महत्व और लाभ बताए गए हैं, जो हर कोई नहीं जानता. ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू वाली चांदी की पायल क्यों पहनती हैं और शास्त्रों में इसके क्या लाभ बताए गए हैं...

शास्त्रों में चांदी को धन, समृद्धि और चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है. ऐसे में इस धातु को पहनने से हमारे जीवन और घर में इन सभी चीजों पर भी असर पड़ता है. मान्यता है कि विवाहित महिलाओं के लिए घुंघरू वाली चांदी की पायल पहनना बहुत शुभ होता है. इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और ससुराल वालों को कभी पैसों की कमी नहीं होती. साथ ही चांदी को शीतलता, शांति और पवित्रता का प्रतीक भी माना जाता है. ऐसे में चांदी की पायल पहनने से शीतलता मिलती है और मन शांत और पवित्र रहता है.

यही कारण है कि वह महिलाएं चांदी की पायल पहनती हैं

ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं पैरों में घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो बहुत ही मधुर ध्वनि सुनाई देती है. इससे उनके आसपास की नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है और उसकी जगह घर में सकारात्मकता बनी रहती है. साथ ही पायल की आवाज से परिवार के सदस्यों को मानसिक शांति मिलती है. ऐसा माना जाता है कि जब विवाहित महिलाएं घुंघरू के साथ चांदी की पायल पहनती हैं तो घर में हमेशा खुशियों का माहौल बना रहता है.

इसे विवाहित महिलाओं के सोलह श्रृंगार में से एक माना जाता है और इसे सौभाग्य की निशानी भी माना जाता है. जब महिलाएं चांदी की पायल पहनकर घर में घूमती हैं तो इसकी आवाज से आसपास का माहौल खुशनुमा हो जाता है और शरीर से नकारात्मकता भी दूर रहती है. ऐसा माना जाता है कि चांदी की पायल में लगी घुंघरू मन को एकाग्र रखने में मदद करती हैं और घर में सौभाग्य भी लाती हैं. इसी वजह से विवाहित महिलाओं के लिए चांदी की घुंघरू पहनना बहुत फलदायी माना जाता है.

रिमझिम बारिश में एक्सप्लोर करें महाराष्ट्र का संगमेश्वर

वीकेंड में बनाएं घूमने का प्लान

महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

महाराष्ट्र हमारे देश का एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। महाराष्ट्र एक ओर से अरब सागर और दूसरी ओर से सतपुड़ा पर्वतमाला से घिरा हुआ है। यह एक ऐसा राज्य है, जो रिमझिम बारिश में पर्यटन हब का सबसे बड़ा केंद्र माना जाता है। महाराष्ट्र में जब भी बारिश होती है, तो लोनावला से लेकर माथेरान और महाबलेश्वर जैसी जगहों पर पर्यटकों की भीड़ लगने लगती है। वहीं महाराष्ट्र की फेमस जगहों से दूसर संगमेश्वर एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। वहीं हल्की रिमझिम बारिश में संगमेश्वर की खूबसूरती किसी हसीन खजाने से कम नहीं लगती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको संगमेश्वर की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में संगमेश्वर

संगमेश्वर की खासियत और खूबसूरती बेहद कमाल की है। यह रत्नागिरी में स्थित एक खूबसूरत और मनमोहक जगह है। संगमेश्वर महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से करीब 284 किमी, पुणे से 247 किमी और कोल्हापुर से करीब 120 किमी दूर है।

क्यों फेमस है संगमेश्वर

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में स्थित संगमेश्वर भले ही एक छोटा सा शहर है, लेकिन यह जगह अपने धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व और खूबसूरत पर्यटन स्थलों के लिए पूरे राज्य में फेमस है। खासकर यह जगह संगमेश्वर मंदिर और संगमेश्वर शहर के लिए फेमस है। जोकि भगवान शिव को समर्पित है।

संगमेश्वर महाराष्ट्र का एक ऐसा शहर है, जो शास्त्री नदी और सोनावी नदी के संगम पर स्थित है। इसके चलते यहां पर रिमझिम बारिश में राज्य के हर कोने से लोग घूमने के लिए आते हैं। इस स्थान को रत्नागिरी का छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है। वहीं गमेश्वर वहीं स्थान है, जहां पर औरगंजेब ने छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज को बंदी बनाया था।

पर्यटकों के लिए क्यों खास है ये जगह

संगमेश्वर का इतिहास प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। रिमझिम बारिश में स्थित वॉटरफॉल से लेकर घास के मैदान और नदियों की खूबसूरती इस जगह को बेहद खूबसूरत बनाने का काम करती है। संगमेश्वर की हरियाली देखते ही बनती है।

संगमेश्वर अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। शहर की भाग-दौड़ भरी जिंदगी से दूर संगमेश्वर में आप सुकून के कई पल बिताने के लिए पहुंचते हैं। संगमेश्वर अपनी खूबसूरती के साथ ही एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। कई लोग मानसून में यहां पर सिर्फ ट्रेकिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं।

संगमेश्वर मंदिर

संगमेश्वर के सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में संगमेश्वर मंदिर काफी फेमस है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित होने के कारण पर्यटक यहां घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मंदिर के आसपास से बेहद

खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। कर्णेश्वर मंदिर को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं और यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है।

मार्लेश्वर वॉटरफॉल

संगमेश्वर के पहाड़ों में स्थित मार्लेश्वर एक फेमस और खूबसूरत वॉटरफॉल है। मानसून में यहां सिर्फ स्थानीय पर्यटक नहीं बल्कि अन्य कई शहरों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह वॉटरफॉल प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां के आसपास की हरियाली पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। इसके साथ ही आप छत्रपति संभाजी महाराज की समाधि को एक्सप्लोर करना न भूलें।

घुसपैठ की कोशिश करते राजोरी के केरी सेक्टर में आतंकी ढेर, घेराबंदी कर तलाशी जारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के राजोरी के केरी सेक्टर के बारात गाला क्षेत्र में सुबह पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकियों में से एक को सेना ने ढेर कर दिया। आतंकी तीन से चार की संख्या में बताए जा रहे हैं। सतर्क जवानों के फायरिंग शुरू करते ही अन्य आतंकी उल्टे पांव भाग निकले। मारे गए आतंकी का शव नियंत्रण रेखा के पास ही पड़ा है। आतंकी घुसपैठ नाकाम करने के बाद सेना ने पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर घेराबंदी करके तलाशी अभियान शुरू किया है। सेना ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि यदि कहीं कोई संदिग्ध दिखे तो फौरन सेना को सूचित करें। सूत्रों के अनुसार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच भारतीय सेना ने बारात गाला क्षेत्र में एलओसी के उस पार संदिग्ध हरकत देखी गई। घुसपैठ की कोशिश का पता चलते ही सतर्क जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी। सैन्य सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी सेना ने शाम को मारे गए आतंकी का शव उठाने के लिए प्रयास भी किया, लेकिन जवानों ने गोलीबारी कर इस प्रयास को भी विफल बना दिया। शव नियंत्रण जीरो लाइन पर ही पड़ा हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस इलाके में यह दूसरी बार घुसपैठ की कोशिश थी। सूत्रों के अनुसार इसी क्षेत्र में 15 जून की मध्यरात्रि को भी पाकिस्तान की ओर से आतंकियों के एक ग्रुप ने घुसपैठ करने का प्रयास किया था।

बिहार में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत

पटना (एजेंसी)। बिहार में बीते 8 दिनों से मानसून सक्रिय है। बुधवार को पटना, जमुई, नवादा में तेज बारिश हुई है। मौसम विभाग ने राज्य के 28 जिलों के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, 10 जिलों में मौसम सामान्य बना रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले चार दिनों में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। हालांकि, न्यूनतम तापमान में अगले 5 दिनों के दौरान कोई खास परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। वहीं बिहार में आकाशीय बिजली से 5 लोगों की मौत हो गई। 7 लोग झुलसे हैं। बक्सर जिले के पुराने भोजपुर में ठनका गिरने से 1 बच्ची की मौत हो गई। केसठ में 2 युवक गंभीर रूप से झुलस गए। गया के बांकेबाजार प्रखंड के वैरी वनवास गांव में वज्रपात से 15 साल के लड़के की मौत हो गई। 3 बच्चे झुलस गए। बच्चे जामुन के पेड़ के नीचे खेल रहे थे। तभी अचानक बिजली गिरी। औरंगाबाद के वन गांव में धान के बिचड़े को देखने गया युवक ठनका की चपेट में आ गया। उसकी मौत हो गई। वहीं वासुदेवपुर चंदेल में 35 साल की महिला की मौत हो गई, जबकि महिला के पति और एक रिश्तेदार झुलस गए। नवादा के नेमदारगंज थाना क्षेत्र के महानंदपुर गांव में 45 साल के किसान मौत हो गई।

32 साल बाद पोस्टमास्टर को मिला न्याय, लेकिन कानूनी प्रणाली पर सवाल

बैतूल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के एक पोस्टमास्टर को एक छोटी सी गलती के लिए तीन दशक तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। अब मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उसकी सजा को अपराध न मानकर विभागीय चूक मानकर बरी किया। यह मामला एक छोटी सी क्लर्कियल गलती से शुरू हुआ था। साल 1983 में एक जांच में पता चला कि पोस्टमास्टर मनकाराम ने ब्रांच रजिस्टर में 3,596 रुपये जमा करने की एंट्री नहीं की थी। हालांकि, यह राशि सरकारी खजाने में जमा हो गई थी और खाताधारक की पासबुक में भी दिख रही थी। भले ही मामले में कोई वित्तीय गड़बड़ी नहीं थी, फिर भी गलती को आपराधिक गबन माना गया। साल 1993 में, निचली अदालत ने मनकाराम को दोषी ठहराया। उन्हें जेल की सजा सुनाकर 3,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। मनकाराम ने फैसले के खिलाफ अपील की, लेकिन सत्र न्यायालय ने दोषसिद्धि को बरकरार रखा। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का रुख किया। इस प्रक्रिया में उन्हें परिणाम मिलने में 32 साल लगे। 32 साल बाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति एम.एस. भट्टी ने निचली अदालत के फैसले को पलटकर मनकाराम को बरी कर दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह गलती केवल एक विभागीय चूक थी, आपराधिक अपराध नहीं।

मुंबई में 9 करोड़ का सोना जब्त, 7 गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोना गलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। बताया गया है कि मुंबई के मस्जिद बंदर इलाके में छापेमारी में 9 करोड़ रूपये का सोना जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह छापामारी रविवार को की गई थी। दरअसल डीआरआई विदेश से स्थानीय नागरिकों की मदद से सोने की तस्करी के एक मामले की जांच कर रही थी। उस समय पता चला कि इसमें एयरपोर्ट के कुछ कर्मचारी भी शामिल हैं। आरोपी विदेश से तस्करी कर लाए गए सोने को आरोपियों तक पहुंचाते थे। उसके बाद मस्जिद बंदर स्थित यूनिट में इसे पिघलाया जाता था और गुप्त तरीके से स्थानीय बाजार में बेचा जाता था। इस सूचना पर कार्रवाई करते

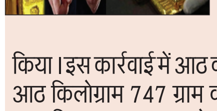

हुए डीआरआई की टीम ने रविवार को मस्जिद बंदर स्थित सोना गलाने वाली यूनिट पर छापेमारी की और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में आठ करोड़ 93 लाख कीमत के आठ किलोग्राम 747 ग्राम वजन के छह सोने के बार जब्त किए गए। इस मामले में मीनानाथ भुले, विश्वास यादव उर्फ अमोल, उदय जंगम, रोहित मोहिते और विक्रम मोटे तथा राजकुमार पवार को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से जब जब्त किए गए सोने की खरीद की रसीद मांगी गई तो उन्होंने आधिकारिक दस्तावेज पेश नहीं किए। जांच के दौरान मिली जानकारी के अनुसार, इस मामले में सोना पिघलाने वाली इकाई के मालिक राजकुमार पवार और ड्राइवर रविंद्र सालुंखे को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

– एयरपोर्ट कर्मचारी रडार पर

एयरपोर्ट कर्मचारियों से तस्करी का सोना ले जाया जा रहा था। इसमें कौन–कौन कर्मचारी शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में संदेह है कि हवाला के जरिए पैसा भेजा गया था।

अंतरिक्ष यात्रा पर रवाना हुआ बेटा तो माता पिता के छलके आंसू

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की राजधानी लखनऊ में जन्मे ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के बुधवार को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर (केएससी) से स्पेसएक्स फाल्कन 9-रॉकेट पर सवार होकर अंतरिक्ष के लिए रवाना होने के साथ नवाबों के शहर लखनऊ के गौरवशाली इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया।

रॉकेट जैसे ही फ्लोरिडा के आसमान में पहुंचा, लखनऊ के कानपुर रोड स्थित सिटी मोंटेसरी स्कूल के वर्ल्ड यूनिटी कन्वेंशन सेंटर ऑडिटोरियम में इस पल का सजीव प्रसारण देख रहे शुक्ला के परिजन भावुक हो गये। हों भी क्यों ना, आखिर 1984 में राकेश शर्मा द्वारा सोयूज अंतरिक्ष यान पर सवार होकर इतिहास रचने के बाद 41 साल बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान में वापसी जो हुई है। मेहमानों से भरा ऑडिटोरियम स्पेसएक्स फाल्कन 9-रॉकेट के रवाना होते ही शुक्ला के गौरवान्वित माता-पिता और बहनों, वरिष्ठ रक्षा कर्मी, सिटी मोंटेसरी स्कूल के शिक्षक, शहर के प्रमुख लोग, और

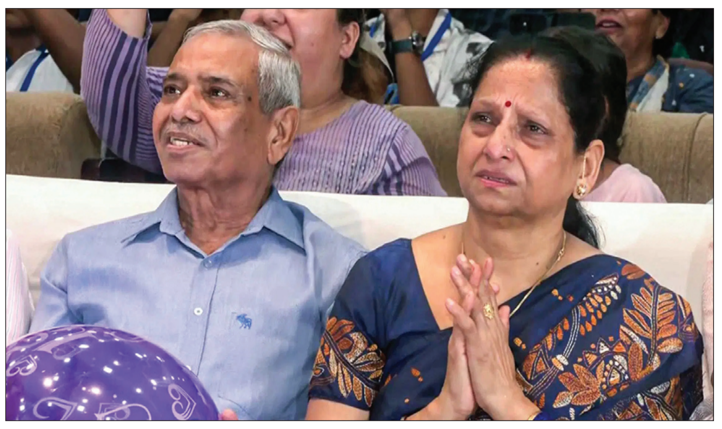

जिंदगी में पहली बार ऐसे नजारे को देख रहे छात्रों की भीड़ की तालियों और शिहप हिप हुर्रेश् के नारों से गूंज उठा। शुक्ला के भावुक माता-पिता और रिश्तेदारों की आंखों में आंसू आ गए। जैसे ही रॉकेट ने उड़ान भरी, शुक्ला के माता-पिता, शिक्षक और छात्र खुशी से भांगड़ा नृत्य करने लगे।

शुभांशु के पिता शंभू शुक्ला ने कहा कि यह न केवल हमारे लिए बल्कि हमारे देश के लिए भी एक महान क्षण है। हम इस समय क्या कह सकते हैं, मेरे पास अब शब्द नहीं हैं। मेरा आशीर्वाद हमेशा मेरे बेटे के साथ है। वहीं शुभांशु शुक्ला की मां आशा शुक्ला ने कहा कि इस समय मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है। मैं बहुत खुश हूं। मुझे पता है कि वह सफल होगा। हालांकि मैं एक सफल मिशन के बाद उसके लौटने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं, लेकिन मुझे यह भी पता है कि धरती पर वापस लौटने के बाद भी उसे हमारे बीच आने में कुछ समय लगेगा।

साल 1985 में लखनऊ में जन्मे और सिटी मोंटेसरी स्कूल की अलीगंज शाखा में बारहवीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त करने वाले शुक्ला ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और 2006 में भारतीय वायु सेना में शामिल हुए। उन्हें 2019 में भारत के गगनयान मानव अंतरिक्ष यान कार्यक्रम के लिए चुना गया और बाद में एएक्स-4 के लिए पायलट के रूप में चुना गया। नासा के वरिष्ठ डॉक्टर पैगी व्हिटसन (मिशन कमांडर) और हंगरी और पोलैंड के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ शुक्ला का 14-दिवसीय मिशन मानव शरीर क्रिया विज्ञान, पोषण और अंतरिक्ष में बीज अंकुरण सहित क्षेत्रों में सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण अनुसंधान में योगदान देगा।

तमिल के लिए झूठा लगाव, सारा पैसा संस्कृत के लिए दिया

-सीएम स्टालिन का मोदी सरकार पर आरोप

चैन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भाषा के वित्तपोषण में कथित पक्षपात को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की और उस पर तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं की उपेक्षा कर संस्कृत को महत्व देने का आरोप लगाया। सीएम स्टालिन ने लिखा, संस्कृत को करोड़ों मिलते हैं, तमिल और अन्य दक्षिण भारतीय भाषाओं को मगरमच्छ के आंसू के अलावा कुछ नहीं मिलता। तमिल के लिए झूठा लगाव, सारा पैसा संस्कृत के लिए ! दरअसल एक रिपोर्ट से पता चला है कि केंद्र ने 2014-15 और 2024-25 के बीच संस्कृत को बढ़ावा देने पर 2,532.59 करोड़ खर्च किए। जबकि तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया -पांच अन्य शास्त्रीय भारतीय भाषाओं के लिए संयुक्त आवंटन 147.56 करोड़ रुपये था। रिपोर्ट के अनुसार, तमिल, जिस 2004 में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया था, को भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के लिए अनुदान योजना के तहत 113.48 करोड़ रुपये मिले, जो संस्कृत से 22 गुना कम है। तेलुगु और कन्नड़ को संस्कृत पर खर्च किए गए धन का 0.5 प्रतिशत से भी कम मिला, जबकि मलयालम और ओडिया को 0.2 प्रतिशत से भी कम मिला।

सुरक्षित अमरनाथ यात्रा की तैयारी अंतिम दौर में, सुरक्षा हुई सख्त, संवेदनशील इलाकों में सेना तैनात

बारामुला (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा के कुछ ही दिन शेष हैं। यात्रा में कहीं कोई दिक्कत न हो इसका पूरा ख्याल रखा जा रहा है। तैयारियां अंतिम दौर में है और संवेदनशील इलाकों में सेना ने मोर्चा संभाल लिया है। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस समेत अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षित व शांतिपूर्ण तीर्थयात्रा सुनिश्चित कराने के लिए कई संयुक्त अभियान शुरू किए हैं। गौरतलब है कि श्री अमरनाथ जी यात्रा तीन जुलाई से शुरू होने वाली है जो नौ अगस्त को संपन्न होगी। बता दें कि श्री अमरनाथ जी की वार्षिक यात्रा हमेशा से आतंकवादियों के निशाने पर रही है।

सुरक्षाबलों ने संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। अतिरिक्त चेक पॉइंट बनाए गए हैं। यात्रा के बेस कैंपों की ओर जाने वाले मार्गों पर इलाके का सेनिटाइजेशन अभियान चलाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्रा के मार्ग पूरी तरह से आतंकवादियों से मुक्त हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सेना के पैरा स्पेशल फोर्सेज सहित विशिष्ट इकाइयों को तैनात किया गया है। दक्षिण कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में कई सर्च एंड डोमिनेशन ऑपरेशन (साडो) चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही, मध्य और उत्तरी कश्मीर के ऊपरी इलाकों में भी लगातार आतंकरोधी अभियान चल रहे हैं, जिनमें सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले इलाकों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि ये अभियान समन्वित सुरक्षा रणनीति का हिस्सा हैं, जिसका उद्देश्य किसी भी खतरे को रोकना और तीर्थयात्रियों तथा स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पहले हो चुके हैं आतंकी हमले

इससे पहले अमरनाथ यात्रियों पर हुए हमलों के कारण सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। साल 2000 में नुनवन में हुए आतंकी हमले में दो दर्जन अमरनाथ तीर्थयात्रियों सहित 32 लोग मारे गए थे। इसके बाद 2001 में शेषनाग में आतंकी हमले में 13 लोग मारे गए और 2002 में चंदनबाड़ी कैंप पर आतंकी हमला हुआ जिसमे 11 अमरनाथ यात्री मारे गए थे। इसी तरह 2017 में कुलगाम जिले में अमरनाथ यात्रा बस पर हुए हमले में आठ तीर्थयात्री मारे गए थे

ईरान ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं किया: पूर्व उपराष्ट्रपति अंसारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने कहा, कि किसी भी देश ने यह नहीं कहा है कि उन्होंने (ईरान ने) अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। आरोप हैं, संदेह है, लेकिन उन्होंने उल्लंघन नहीं किया है। किसी ने यह नहीं कहा है कि उन्होंने बम बनाया है, लेकिन हम उन्हें प्रौद्योगिकी तैयार करने से कैसे रोक सकते हैं।

इजराइल और ईरान संघर्ष में अमेरिका की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर अंसारी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से निपटने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हैं, इसलिए आपको उनसे निपटना ही होगा, आप यह नहीं कह सकते कि आप उनसे निपट नहीं सकते। उनका काम करने का एक खास तरीका है और दुनिया अब धीरे-धीरे उसे समझने लगी है।

पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी ने ईरान पर अमेरिका और इजरायल की हालिया सैन्य कार्रवाई को मंगलवार को 'अवैध आक्रमण' करार दिया। एक सप्ताह से अधिक समय पहले शुरू हुए संघर्ष के दौरान इजरायल और ईरान ने एक-दूसरे के शहरों

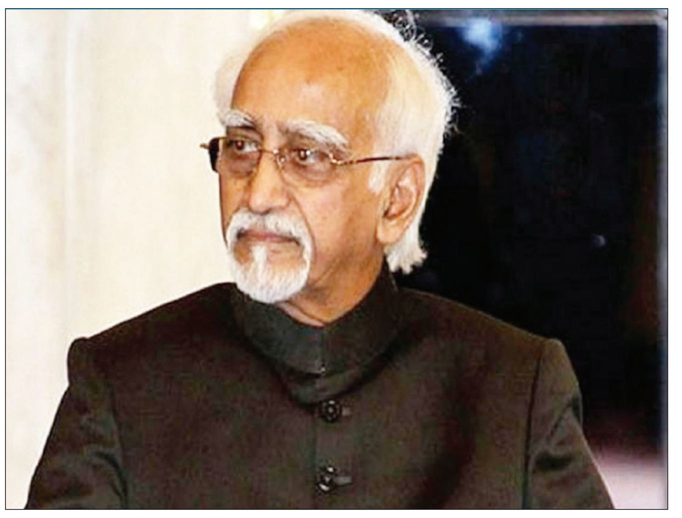

और सैन्य तथा सामरिक प्रतिष्ठानों पर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे हैं। ईरान के तीन प्रमुख परमाणु स्थलों पर रविवार सुबह अमेरिका की बमबारी के बाद तनाव काफी बढ़ गया। पूर्व राजनयिक अंसारी ने एक इंटरव्यू में कहा कि आक्रामकता का मूल कारण इजरायल के नेतृत्व का ईरान के साथ संबंधों के प्रति दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा, वे बिना लाग-लपेट के साफ़-साफ़ कह रहे हैं कि ईरानियों के नेतृत्व को अवश्य ही बदलना चाहिए। इसलिए यह युद्ध इजरायल द्वारा रचा गया। अंसारी ने युद्ध के लिए अमेरिका को भी दोषी ठहराया।

पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, इसे स्वीकार किया गया है। यह अमेरिका के सहयोग से किया गया था और यह एक आक्रामक युद्ध था। इसमें कोई दो राय नहीं है। यह एक आक्रामक युद्ध था, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध कहा जाना चाहिए।

अंसारी ने कहा कि ईरान का नेतृत्व स्थिर है और उसे अपने लोगों का समर्थन हासिल है। उन्होंने ईरान की वैज्ञानिक प्रगति और परमाणु क्षमताओं सहित प्रौद्योगिकी विकसित करने के उसके अधिकार पर जोर दिया और कहा कि इसके लिए उसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाला नहीं बताया जाना चाहिए। अंसारी ने कहा कि अमेरिका के साथ दोस्ती होनी चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जो कहा जाए वही किया जाए। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा, भारत और ईरान के बीच बहुत पुराना रिश्ता है और इसमें बहुत मजबूती है। इसलिए, इस रिश्ते को आसानी से नहीं तोड़ा जाना चाहिए। यह हमारे और ईरान के हित में है। जब भी मौका आया है, ईरान ने हमारी मदद की है। जब भी मौका आया है, हमने ईरान की मदद की है।''उन्होंने कहा, 'इसलिए हमें इस रिश्ते को सावधानी से संभालना होगा। हमें इसे छोटी-छोटी बातों पर खराब नहीं करना चाहिए। हमारी एक पारंपरिक नीति रही है।

फिर देवदूत बनी भारतीय वायू सेना, सुरक्षित वतन वापसी में निभा रही बड़ी भूमिका

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतय वायूसेना ने अब तक कुल 431 भारतीयों को कॉन्फ्लिक्ट जोन से बाहर निकाला। वायुसेना ने अपने बयान में कहा कि मिस्र और जॉर्डन से भारतीयों को एयरलिफ्ट कर के सकुशल भारत लाया गया। ईरान और इजरायल की जारी जंग के बीच सैकड़ों भारतीय नागरिक फंसे हुए थे। कॉन्फ्लिक्ट जोन से भारतीयों को सकुशल बाहर निकालने के लिए सरकार ने ऑपरेशन सिंधु लॉन्च किया। पहले इस ऑपरेशन में सिविल एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया गया, फिर जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना को सौंपी गई। भारतीय वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर को लॉन्च किया गया।

ईरान से भारतीयों को निकालने के लिए विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंधु की शुरुआत से पहले ही वायुसेना का एवैक्युएशन प्लान तैयार कर लिया था। इस तरह के इवैक्यूएशन में अगर सिविल एयरक्राफ्ट का ऑपरेशन सामान्य होता है तो लोगों को उसी के जरिए निकाला जाता है। शुरुआत भी सिविल फ्लाइट

के जरिए की गई। अगर हालात सामान्य नहीं होते तो भारतीय वायुसेना को बुलाया जाता है।इस बार भी वैसा ही किया गया। दुनिया में जब भी किसी कॉन्फ्लिक्ट या युद्ध के हालात होते हैं तो एयरफोर्स उसे मॉनिटर करती रहती है और अपने इवैक्यूएशन प्लान को तैयार रखती है। इस बार भी वैसा ही हुआ। प्लान तैयार था, जैसे ही सरकार की तरफ से हरी झंडी मिली, एयरक्राफ्ट ने टेकऑफ कर लिया। प्लान पहले से ही तैयार था, इसलिए एयरक्राफ्ट लॉन्च करने या प्लान बनाने में समय बिल्कुल खराब नहीं हुआ।

बता दें कि भारतीय वायुसेना की खासियत है कि वह कॉन्फ्लिक्ट जोन से सुरक्षित अपने नागरिकों को बाहर निकाल सकती है। पिछले कुछ बड़े इवैक्यूएशन ऑपरेशन की बात करें तो साल 2006 में इजरायल-लेबनान जंग के दौरान ऑपरेशन सूकून चलाया गया था, जिसमें 2,280 भारतीयों को सुरक्षित वतन वापस लाया गया था। साल 2015 में यमन में जंग के दौरान सना एयरपोर्ट से भारतीयों को जिबूती लाया गया और फिर सी-17 के जरिए भारत। साल 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे के दौरान सरकार ने ऑपरेशन देवी शक्ति चलाया था, जिसमें 800 भारतीयों की वतन वापसी कराई गई थी। 2022 में यूक्रेन युद्ध के दौरान ऑपरेशन गंगा लॉन्च किया गया था, जिसमें 18,000 के करीब भारतीयों को यूक्रेन और पड़ोसी देशों से रेस्क्यू किया गया था। साल 2023 में सूडान में संघर्ष के दौरान सरकार ने ऑपरेशन कावेरी लॉन्च किया था, जिसमें भारतीय वायुसेना ने 3,900 भारतीयों को सुरक्षित घर वापस लाया था। इसके अलावा दर्जनों ऑपरेशन राहत बचाव के लिए सरकार की तरफ से चलाए गए हैं।

आप सरकार पर लगा अस्पताल घोटाले का आरोप, सौरभ और सत्येंद्र के खिलाफ होगी जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एसीबी जांच की मंजूरी दे दी।दोनों नेताओं पर दिल्ली सरकार के अस्पतालों से जुड़ी परियोजनाओं में देरी से संबंधित कथित घोटाले का आरोप है। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा जांच के लिए की गई सिफारिश की थी। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ एसीबी जांच की मंजूरी दे दी गई है। दोनों पर अस्पतालों से जुड़ी परियोजनाओं में घोटाले का आरोप है। आरोप के मुताबिक, कुल 6800 बिस्तर की क्षमता वाले सात आईसीयू अस्पतालों को सितंबर 2021 में छह महीने के भीतर पूर्व इंजीनियरिंग संचरनाओं के उपयोग से बनाया जाना था। जिसके लिए 1125 करोड़ रुपये की लागत मंजूर की गई थी। लेकिन, तीन साल से अधिक समय बीत जाने और 800 करोड़ की लागत के बाद भी इनका केवल 50 फीसदी काम ही पूरा

हुआ।

सूत्रों के मुताबिक, एसीबी द्वारा इस घोटाले की जांच विजेन्द्र गुप्ता की ओर से 22 अगस्त 2024 को की गई शिकायत के आधार पर की जाएगी। शिकायत में कहा गया कि वर्ष 2018-19 में 24 अस्पताल परियोजनाओं को कुल मिलाकर 5590 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी, लेकिन बेवजह हुई देरी के चलते इनकी लागत में बढ़ोतरी हुई। आरोप है कि परियोजनों में यह देरी जानबूझकर की गई।इसी प्रकार, एनएलजेपी अस्पताल के न्यू ब्लॉक प्रोजेक्ट के लिए 465 करोड़ रुपये की लागत की मंजूरी दी गई थी। चार वर्षों में तीन गुना बढ़कर 1125 करोड़ रुपये हो गई। पालीक्लीनिक्स परियोजना भी भ्रष्टाचार के गठजोड़ के चलते पूरी नहीं हो सकी। स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली को लागू करने में भी एक दशक से अधिक समय की देरी हुई। आरोप है कि इसे जानबूझकर रोका गया ताकि वित्तीय लेन-देन में अस्पष्टता बनी रहे।

मुंबई में रेल हादसों में 22 साल में 72,000 मौतें, एक तिहाई शव लावारिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई से सटे मुंब्रा में हुए लोकल ट्रेन हादसे के बाद मुंबई की लाइफलाइन मौत की लाइन क्यों बनती जा रही है? यह सवाल उठ रहा है। लोकल ट्रेन हादसों में मौतों की संख्या और कारण सुनकर हर कोई चौंक जाएगा। क्योंकि खबर है कि पिछले 22 सालों में ट्रेन हादसों में 72 हजार यात्रियों की मौत हो चुकी है। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक तिहाई शव लावारिस हैं। उनकी पहचान नहीं हो पाई है या उनके परिवार वाले उन्हें ढूंढ नहीं पाए हैं। दरअसल ट्रेन हादसों में इतने लोग क्यों मर रहे हैं? इस बारे में जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि पिछले 15 सालों में मुंबई और उसके उपनगरों में रेल की पटरियों पर मरने वालों में से एक तिहाई शव लावारिस हैं। यह जानकारी आरटीआई के जरिए मिली है। जानकारी के अनुसार, पिछले 10 से 15 वर्षों में लोकल ट्रेन दुर्घटनाओं में मरने वाले कुल (46,969) यात्रियों में से 31 प्रतिशत (1,4513) की पहचान नहीं हो पाई है और उन्हें लावारिस के रूप में दर्ज किया गया है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मृतकों के परिवारों का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन वे उनके परिवारों तक नहीं पहुंच सके। दरअसल ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. सरोश मेहता ने आरटीआई याचिका दायर की थी। इसमें खुलासा हुआ कि 2019 के बाद लावारिस शवों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

- ट्रेन दुर्घटनाओं का क्या है कारण?

2002 से 2024 के बीच 22 वर्षों में विभिन्न कारणों से 72,000 से अधिक लोग रेलवे ट्रैक पर मारे गए हैं। इनमें से अधिकांश मौतें रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेनों से हुई टक्करों के कारण हुईं। आंकड़ों के अनुसार, 2012 से हर साल मौतों की संख्या में कमी आ रही है। केवल 2022 इसका अपवाद रहा। कोरोना महामारी के कारण घर लौटते समय कई लोगों की ट्रेन दुर्घटनाओं में मौत हो गई। आरटीआई कार्यकर्ता डॉ. मेहता कहते हैं कि कई लोग ट्रैक पार करते समय ट्रेन से गिरकर मर चुके हैं। बंद दरवाजे वाले लोकल कोच बनने से ये हादसे रुक नहीं रहे हैं। रेलवे पुल और एस्केलेटर बनाए जा रहे हैं, जिससे रेलवे ट्रैक पार कर सकें। लेकिन फिर भी हर साल मौतों की संख्या अधिक है। रेलवे के जीरो डेथ मिशन को अभी भी लंबा सफर तय करना है।

- हादसे में मृतकों की पहचान करना मुश्किल

रेलवे पुलिस का कहना है कि रेल हादसे में मृतकों की पहचान करना चुनौतीपूर्ण है। ट्रेन की जोरदार टक्कर से शव क्षत-विक्षत हो जाते हैं जिससे

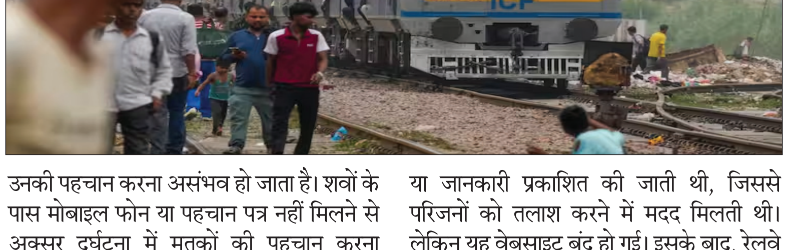

उनकी पहचान करना असंभव हो जाता है। शवों के पास मोबाइल फोन या पहचान पत्र नहीं मिलने से अक्सर दुर्घटना में मृतकों की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। लावारिस शवों की पहचान के लिए जीआरपी की ओर से शोध नाम की वेबसाइट चलाई गई थी। इस वेबसाइट पर मृतकों की तस्वीरें या जानकारी प्रकाशित की जाती थी, जिससे परिजनों को तलाश करने में मदद मिलती थी। लेकिन यह वेबसाइट बंद हो गई। इसके बाद, रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना पीड़ित की तस्वीर प्रदर्शित की गई, लेकिन इसे रोक दिया गया क्योंकि इससे यात्रियों को असुविधा हो रही थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान ने सिंध में नए तेल और गैस भंडार की खोज की, जमीन के 4 हजार मीटर नीचे मिला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सरकारी कंपनी ऑयल एंड गैस डेवलपमेंट कंपनी (ओजीडीसीएल) ने सिंध प्रांत में एक नया तेल और गैस भंडार खोजा है। कंपनी ने इस महीने की शुरुआत में खारो के फकीर-1 कुएं में यह खोज की। ये भंडार जमीन के 4 हजार मीटर नीचे मिली है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान में और भी छुपे गैस भंडार मौजूद हो सकते हैं। पिछले साल ने ऐसी ही दो बड़े तेल और गैस भंडार खोजे थे। फिलहाल वेनेजुएला के पास दुनिया में सबसे बड़े तेल भंडार हैं, इसके बाद सऊदी अरब है।

रूस ने यूक्रेन के कीव में ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, 5 लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर सोमवार तड़के रूस ने ड्रोन और मिसाइल से हमला किया। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। अब तक 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। यूक्रेनी इमरजेंसी सर्विस के अनुसार, हमला एक अपार्टमेंट बिल्डिंग पर हुआ जिससे उसकी पांच मंजिलों में से एक गिर गई। राहत और बचाव दल मलबे के नीचे फंसे लोगों को निकालने में जुटे हैं। हमले में कीव के कई इलाकों में रिहायशी इमारतों, अस्पतालों और खेल केंद्रों को नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा तबाही शेवचेनकिवस्की जिले में हुई। इसके अलावा कीव से करीब 85 किलोमीटर दूर बिला त्सेरक्वा शहर में भी एक व्यक्ति की मौत हो गई और 8 लोग घायल हो गए।

फ्रांस में हमलावरों ने दुल्हा-दुल्हन पर गोली चलाई; दुल्हन की मौत, दुल्हा घायल

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के एक छोटे से गांव गौल्ट में शादी के दौरान कुछ नकाबपोश हमलावरों ने दूल्हा-दुल्हन पर गोलियां चला दीं। इस हमले में दुल्हन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूल्हा और एक 13 साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। एक हमलावर भी इस फायरिंग में मारा गया। पुलिस का कहना है कि बाकी हमलावर मौके से भाग निकले हैं और उनकी तलाश जारी है। यह घटना रविवार सुबह करीब 4:30 बजे (फ्रांस का समय) हुई, जब 27 साल की दुल्हन और 25 साल का दूल्हा शादी के समारोह से बाहर निकल रहे थे। तभी कुछ लोग तीन गाड़ियों में आए और फायरिंग शुरू कर दी।घटना के समय शादी हॉल में 28 लोग मौजूद थे। पुलिस को शक है कि यह हमला नशे के कारोबार से जुड़ी पुरानी दुश्मनी के कारण हुआ है।

इराक के ताजी सैन्य अड्डे पर ड्रोन हमला

बगदाद, एजेंसी। बगदाद के उत्तर में इराक के ताजी सैन्य अड्डे को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया गया। इराक के लेफ्टिनेंट जनरल वालिद अल-तमीमी ने कहा कि एक अज्ञात ड्रोन ने बेस में एक स्थान पर हमला किया। हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। मीडिया रिपोर्टों ने दावा किया कि ड्रोन ने बेस पर एक फ्रांसीसी राडार सिस्टम को निशाना बनाया।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने सरकार पर आपातकाल लगाने की साजिश का आरोप लगाया

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने सोमवार को कहा कि देश की संघीय सरकार उनके प्रांत में आपातकाल लगाने की योजना बना रही है। गंडापुर ने यह बात प्रांतीय बजट सत्र के दौरान कही। उन्होंने कहा कि वे ऐसी किसी भी साजिश को सफल नहीं होने देंगे। उन्होंने यह भी कहा, अगर (पूर्व प्रधानमंत्री) इमरान खान मुझे अभी आदेश दें, तो मैं तुरंत अपनी सरकार खत्म कर दूंगा। मैं अपने नेता के अधिकार किसी और को नहीं लेने दूंगा। मुख्यमंत्री गंडापुर ने आरोप लगाया कि राज्यपाल फैसल करीम कुंडी ने बजट सत्र से जुड़ी जरूरी फाइल पर साइन करने से मना कर दिया है। उनका कहना है कि इसके पीछे प्रांत में आर्थिक आपातकाल लागू करने की साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि नया बजट पास करना संविधान के अनुसार जरूरी है और कोई भी इस विधानसभा को PTI की मंजूरी के बिना भंग नहीं कर सकता।

नाइजीरिया : आत्मघाती हमले में 12 की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तरपूर्वी बोर्नो राज्य में शुक्रवार रात मछली बाजार में एक महिला आत्मघाती हमलावर ने 12 लोगों की हत्या कर दी। हमले में 30 लोग घायल भी हुए हैं। बोर्नो राज्य पुलिस के प्रवक्ता नाहुम केनेथ दासो ने बताया कि महिला अपने शरीर पर विस्फोटक उपकरण बांधे हुए मछली बाजार में घुसी और फिर नागरिकों के बीच विस्फोट कर दिया। दासो ने कहा कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। बता दें कि बोर्नो राज्य एक उग्रवाद का गढ़ है।

ट्रंप का सीजफायर बेअसर, ईरान के ताबड़तोड़ हमले में 4 इजरायली मरे, बंद करना पड़ा हवाई क्षेत्र

तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीजफायर वाले दावे को ईरान ने ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों से ध्वस्त कर दिया। मंगलवार सुबह ईरान ने इजरायल के बीरशेबा शहर में एक रिहायशी इमारत पर बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसमें चार इजरायली नागरिकों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। हमले के बाद इजरायल में हड़कंप मच गया और देश भर में सायरन बजने लगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इजरायल को अपना हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा।

ट्रम्प ने सीजफायर का दावा किया : इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार तड़के 3:30 बजे ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर का दावा किया था। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा- मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इजराइल और ईरान के बीच सीजफायर अब से 6 घंटे बाद लागू होगा। पहले 12 घंटे के लिए ईरान हथियार डालेगा। फिर अगले 12 घंटे के लिए इजराइल हमला नहीं करेगा और जंग आधिकारिक रूप से खत्म हो जाएगी। वहीं, न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइली सेना के प्रवक्ता ने सीजफायर को लेकर ट्रम्प के बयान पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

ईरान ने 6 बार इजराइल पर हमला किया : ट्रम्प के सीजफायर के ऐलान के बाद से ईरान के विदेश मंत्री ने इसे खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि इजराइल के साथ अभी कोई अंतिम युद्धविराम समझौता नहीं हुआ है। अगर इजराइल, हमले रोक देता है, तो ईरान भी हमले नहीं करेगा। कुछ ही देर बाद ईरान ने इजराइल पर 6 बार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में इमारत पर गिरी। मेडिकल टीम ने बताया कि हमले में 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 20 से ज्यादा घायल हैं।

बीरशेबा में ईरान के हमले में चार लोगों की मौतः इजराइल की आपात सेवा : इजरायल के बीरशेबा शहर में ईरान के एक मिसाइल हमले से प्रभावित इमारत से दमकलकर्मियों ने चार लोगों के शव बरामद किए हैं। आपात सेवा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ईरान ने दक्षिणी इजरायल के सबसे बड़े शहर को सीधे सीधे निशाना बनाकर यह मिसाइल हमला किया था। कुछ दिन पहले ईरान के हमले में इसी शहर के अस्पताल को भारी नुकसान पहुंचा था। खोज और बचाव दल ने कहा कि उन्होंने बीरशेबा में एक इमारत से चार शवों को बरामद किया और अन्य लोगों की तलाश जारी है।

इजरायल का हवाई क्षेत्र अगले आदेश तक उड़ानों के लिए बंद : इजरायल विमानपत्तन प्राधिकरण ने कहा कि ईरान के हमलों के कारण उन्हें देश के हवाई क्षेत्र को उन सभी यात्री विमानों के लिए बंद करना पड़ा है, जो मंगलवार को इजराइल के हवाई अड्डों पर उतरने या उनसे से प्रस्थान करने वाले थे। इनमें आपातकालीन उड़ानें भी शामिल हैं। इजरायल के मीडिया के अनुसार, कुछ उड़ानों को भूमध्य सागर के ऊपर चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा। ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल के हवाई अड्डे बंद हैं, लेकिन पिछले कुछ दिन में कुछ आपातकालीन उड़ानें आनी-जानी शुरू हो गई थीं। ट्रंप ने सोमवार देर रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया था कि इजरायल और ईरान के बीच 12 दिन से चल रही जंग को रोकने के लिए दोनों देशों ने चरणबद्ध युद्धविराम पर सहमति जता दी है। उन्होंने कहा था कि मंगलवार आधी रात से सीजफायर शुरू हो जाएगा, जिसमें पहले ईरान और फिर इजरायल हमले रोकेंगे। हालांकि, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने ट्रंप के दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है। अराघची ने शर्त रखी कि अगर इजरायल सुबह 4 बजे तक हमले बंद करता है, तो ईरान भी जवाबी कार्रवाई नहीं करेगा। लेकिन, ट्रंप के ऐलान के कुछ घंटों बाद ही ईरान ने इजरायल पर छह बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिसने मध्य पूर्व में शांति की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने बताया कि मिसाइलों को रोकने के लिए उनके रक्षा तंत्र सक्रिय थे, लेकिन बीरशेबा में एक मिसाइल ने भारी नुकसान पहुंचाया। हमले के बाद तेल अवीव और यरुशलम में भी धमाकों की आवाजें सुनी गईं। दूसरी ओर, ईरान ने कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे अल-उदीद पर भी 19 मिसाइलें दागीं, हालांकि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ क्योंकि ईरान ने पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था। कतर, कुवैत और अन्य खाड़ी देशों ने हमले के बाद अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए, हालांकि बाद में कतर ने इसे फिर से खोल लिया। ईरान के सरकारी मीडिया ने दावा किया कि उनके हमलों ने इजरायल को सीजफायर के लिए मजबूर किया, जबकि इजरायल ने अभी तक ट्रंप के दावे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने पहले दावा किया था कि ईरान ने ट्रंप की हत्या की साजिश रची थी, जिसे ट्रंप ने भी गंभीरता से लिया।

ट्रूडो के जाते ही खालिस्तान पर बदला कनाडा का रुख

ओट्टावा, एजेंसी। जस्टिन ट्रूडो के प्रधानमंत्री पद से हटते ही खालिस्तान पर कनाडा के रुख में बदलाव नजर आने लगा है। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साथ होने की बात कही है। उन्होंने आगे कहाकि नई सरकार समुदायों की सुरक्षा के लिए दिए गए बहुमत पर खरी उतरेगी। इसके साथ ही मार्क कार्नी ने 40 साल पहले हुए एयर इंडिया 182 कनिष्क विमान बम विस्फोट पर अफसोस जताया है। उन्होंनेकनिष्क पर हुए आतंकवादी हमले को देश के इतिहास का सबसे घातक हमला बताया। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहाकि उनकी सरकार स्पष्ट रूप से आतंकवाद के खिलाफ खड़ी है।

इतिहास का सबसे घातक हमला : प्रधानमंत्री के बयान में कहा गया कि जैसा कि हम आतंकवाद के पीड़ितों के लिए राष्ट्रीय स्मृति दिवस मनाते हैं। हम एयर इंडिया बम विस्फोट के पीड़ितों और आतंकवाद के कारण अपनी जान गंवाने वाले अन्य लोगों को याद करते हैं। उन्होंने कहाकि 40 साल पहले, एयर इंडिया की उड़ान 182 पर हुए बम विस्फोट में 268 कनाडाई नागरिकों सहित निर्दोष लोग मारे गए थे। यह आतंकवादी हमला हमारे देश के इतिहास का सबसे घातक हमला है- जिसे हमें कभी नहीं भूलना चाहिए।

क्या हुआ था कनिष्क हादसा : गौरतलब है कि एयर इंडिया कनिष्क उड़ान संख्या 182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया था। इसमें विमान में सवार सभी 329 व्यक्ति मारे गए थे। इनमें से अधिकतर भारतीय मूल के कनाडाई थे। इस हमले को कनाडा स्थित खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा ने अंजाम दिया था। आयरलैंड और कनाडा के शीर्ष राजनयिक एयर इंडिया 182 कनिष्क विमान बम विस्फोट के पीड़ितों के परिवारों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए एक कार्यक्रम में शामिल हुए। यह आतंकवादी हमले की 40वीं बरसी के अवसर पर आयोजित किया गया। विमान के यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के परिजन हर वर्ष पीड़ितों के लिए बनाए गए विभिन्न स्मारकों पर एकत्रित होते हैं।

मानवता ने खोले नरक के द्वार, वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की चेतावनी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है। न्यूयॉर्क में जलवायु संकट पर आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि मानवता ने नरक के द्वार खोल दिए हैं। भयंकर गर्मी के भयानक प्रभाव हो रहे हैं। बाढ़ में फसलों को बहता देखकर किसान परेशान हैं। गर्मी से बीमारियां फैल रही हैं। गुटेरेस ने कहा कि चुनौती के पैमाने के सामने जलवायु कार्रवाई बौनी पड़ रही है। अगर कुछ नहीं बदला तो हम एक खतरनाक और अस्थिर दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु कार्रवाई पर महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाना है। गुटेरेस ने कहा कि विकसित देश 2040 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करें। वायु मंडल से वह उतना ही प्रदूषण हटाएं, जितना कि वे पैदा करते हैं। उन्होंने देशों से जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए समय सीमा तय करने के लिए कहा। साथ ही निम्न और मध्यम आय वाले देशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने में मदद करने के लिए फंडिंग में बढ़ोतरी करने और जलवायु लचीलेपन उपायों में निवेश करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हम दशकों पीछे हैं। हमें टालमटोल, दबाव और जीवाश्म ईंधन से अरबों डॉलर कमाने के स्वार्थ के लालच में खोए समय की भरपाई करनी होगी।

ट्रंप ने कहा था अब परमाणु बम नहीं बना पाएगा ईरान, वेंस बोले- 10 बम बनाने की क्षमता है मौजूद

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि अब ईरान परमाणु बम नहीं बना पाएगा क्योंकि अमेरिका ने सभी को नष्ट कर दिया है। वहीं उप राष्ट्रपति जीडी वेंस ने कहा कि 4 सौ किलो यूरेनियम गायब हो गया है, इससे 10 परमाणु हथियार बना सकता है ईरान। वेंस ने कहा कि ये यूरेनियम भंडार ईरान के प्रमुख परमाणु स्थलों में संग्रहित था, लेकिन अमेरिकी हमलों से पहले ही इसे दूसरी जगहों पर ले जाया गया। उन्होंने दावा किया कि फोर्दो परमाणु फैसिलिटी को इस मिशन में गंभीर क्षति पहुंची है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सटीक स्थिति की जानकारी नहीं है।

वेंस ने कहा, ÷इस ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य फोर्दो परमाणु फैसिलिटी को नष्ट करना था और हमें पूरा विश्वास है कि हमने इस लक्ष्य को काफी हद तक प्राप्त किया है। साथ ही उन्होंने यह भी पुष्टि की कि आने वाले हफ्तों में ईरान के साथ लापता यूरेनियम को लेकर बातचीत की जाएगी। वहीं दूसरी तरफ ईरान बार-बार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है, जबकि इजरायल का कहना है कि ईरान हथियार बनाने के करीब पहुंच चुका है। अमेरिका में इस पर मतभेद रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान तीन साल दूर था, लेकिन अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने हाल ही में कहा कि ईरान कुछ हफ्तों में हथियार बना सकता है। यह बयान ट्रंप द्वारा उनके पूर्वानुमान को गलत कहने के बाद आया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ऑपरेशन को निर्णायक रूप से पूर्ण सफल बताया है। उन्होंने कहा, ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। हमलों के बाद ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने की धमकी दी। उप विदेश मंत्री तख्त रवांची ने कहा, कोई हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए। इजरायली खुफिया एजेंसियों ने बताया कि ईरान ने हमलों से पहले ही यूरेनियम और संबंधित उपकरणों को एक गुप्त स्थान पर पहुंचा दिया था। सैटेलाइट तस्वीरों में फोर्दो स्थल के बाहर 16 ट्रकों का काफिला देखा गया था। इन्हीं तस्वीरों के आधार पर इजरायल ने अमेरिका से कार्रवाई की मांग की थी।

इसके बाद अमेरिका ने बी-2 स्पिरिट बॉम्बर्स द्वारा बंकर बस्टर जीबीयू-37 बमों के साथ ऑपरेशन मिडनाइट हैमर को अंजाम दिया, जिसमें फोर्दो, नतांज और इस्फहान स्थलों को निशाना बनाया गया। लेकिन बमबारी के बाद ट्रकों का कोई पता नहीं चला। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफाएल ग्रोसी ने कहा कि एजेंसी ने हमलों से एक सप्ताह पहले इन स्थलों का निरीक्षण किया था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अपील की कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निरीक्षण तुरंत बहाल किया जाए। उन्होंने कहा, यह कार्य अत्यंत आवश्यक है और इसमें देरी नहीं होनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट से ट्रंप को राहत, अप्रवासियों के निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने की मिली अनुमति

वॉशिंगटन, एजेंसी। अप्रवासियों के निर्वासन मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को अप्रवासियों के निर्वासन की प्रक्रिया फिर से शुरू करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने अपने आदेश में यह जानकारी नहीं दी कि यह आदेश किस आधार पर दिया गया है। वहीं न्यायमूर्ति सोनिया सोटोमायोर और दो अन्य न्यायाधीशों ने फैसले पर असहमति जाहिर की है। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने कहा कि तीसरे देशों में निर्वासन जल्द ही फिर से शुरू हो सकता है। निर्वासन विमानों को चालू करें। उन्होंने इस फैसले को अमेरिकी लोगों की सुरक्षा और संरक्षा की जीत बताया। यह फैसला उस वक्त आया जब आव्रजन अधिकारियों ने आठ लोगों को दक्षिण सूडान जाने वाले विमान में बैठा दिया। बाद में एक न्यायाधीश के हस्तक्षेप के बाद उन्हें जिबूती स्थित अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर भेज दिया गया। म्यांमार, वियतनाम और क्यूबा जैसे देशों से आए इन प्रवासियों को अमेरिका में गंभीर अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया था। नेशनल इमिग्रेशन लिटिगेशन अलायंस की

कार्यकारी निदेशक अटॉर्नी ट्रिना रियलमुटो ने कहा कि उनके वकील लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि जब तक उन्हें वकीलों से बात करने का मौका नहीं मिल जाता, तब तक वे दक्षिण सूडान में उनके निष्कासन पर रोक लगा दें और कारावास, यातना और मौत की चिंताओं को उठाएं। व्हाइट हाउस ने क्या कहा व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने कहा कि संविधान और कांग्रेस ने राष्ट्रपति को आव्रजन कानूनों को लागू करने और खतरनाक विदेशियों को देश से बाहर निकालने का अधिकार दिया है। सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई हमारे देश से आपराधिक अवैध विदेशियों को बाहर निकालने और अमेरिका को फिर से सुरक्षित बनाने के राष्ट्रपति के अधिकार की पुष्टि करती है। न्यायमूर्ति सोनिया सोटोमायोर ने अन्य दो न्यायाधीशों ने फैसले को लेकर असहमति जताई। न्यायाधीश एलेना कागन और केतनजी ब्राउन जैक्सन के साथ असहमति पत्र में सोटोमोर ने लिखा कि अदालत की कार्रवाई से हजारों लोगों को यातना या मौत का खतरा हो सकता है। इससे ट्रंप प्रशासन को जीत मिल सकती है। उन्होंने लिखा कि सरकार ने अपने शब्दों और कार्यों से यह स्पष्ट कर दिया है कि वह स्वयं को कानून द्वारा बाध्य नहीं मानती है। बिना किसी नोटिस या सुनवाई का अवसर दिए किसी को भी कहीं भी निर्वासित करने के लिए स्वतंत्र है। न्याय विभाग ने अदालती दस्तावेजों में कहा कि सरकार अपने अगले कदम तय करने के लिए आदेश पर विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई से बोस्टन में अमेरिकी जिला न्यायाधीश ब्रायन ई मर्फी के आदेश पर रोक लग गई है। उन्होंने अप्रैल में निर्णय दिया था कि लोगों को यह तर्क देने का अवसर अवश्य मिलना चाहिए कि किसी तीसरे देश में निर्वासन से वे खतरे में पड़ जाएंगे। भले ही उन्होंने अपनी कानूनी अपील समाप्त कर ली हो।

ओमान सरकार ने किया एलान-साल 2028 से पांच प्रतिशत आयकर वसूला जाएगा

मस्कट, एजेंसी। खाड़ी देशों ने कच्चे तेल से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को खूब चमकाया और दुनियाभर से निवेश को आकर्षित किया। हालांकि अब हालात बदलते दिख रहे हैं और खाड़ी देश भी अपनी अर्थव्यवस्था की तेल पर निर्भरता को कम करना चाहते हैं और इस दिशा में ओमान ने पहल कर दी है। खाड़ी देशों में पहली बार ओमान ने अपने नागरिकों पर आयकर लगाने का फैसला किया है। ओमान सरकार के एलान के तहत साल 2028 से पांच प्रतिशत आयकर वसूला जाएगा। अभी सिर्फ एक प्रतिशत आबादी पर टैक्स लगाने की तैयारी हालांकि ओमान ने अभी सिर्फ उन्हीं नागरिकों पर आयकर लगाने का फैसला किया है, जिनकी सालाना आय 1,09,000 डॉलर या उससे ज्यादा है। इस तरह अभी ओमान के सिर्फ एक प्रतिशत लोगों से ही आयकर वसूला जाएगा। ओमान की सरकार ने रविवार को इस संबंध में आधिकारिक एलान जारी कर दिया। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि ओमान के अलावा क्या अन्य खाड़ी देश भी अपने नागरिकों पर टैक्स लगाने पर विचार कर रहे हैं या नहीं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी अनुमान जताया है कि खाड़ी देश आने वाले वर्षों में अपने राजस्व में विविधता लाने के लिए अपने नागरिकों पर टैक्स लगाना शुरू कर देंगे। अभी ओमान का 85 प्रतिशत राजस्व तेल से आता है खाड़ी देशों में अभी तक टैक्स नहीं लगता है,

जिससे दुनियाभर के लोग इन देशों की तरफ आकर्षित हुए और खाड़ी देशों में निवेश किया। ओमान के वित्त मंत्री ने बताया कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में उतार चढ़ाव के चलते ओमान ने अपने राजस्व की तेल पर निर्भरता घटाने का फैसला किया है। अभी ओमान के कुल राजस्व का 85 प्रतिशत तेल और गैस की बिक्री से आता है। ओमान बीते काफी समय से नागरिकों पर आयकर लगाने पर विचार कर रहा था। साल 2020 में ओमान ने अपनी अर्थव्यवस्था में कई बदलाव भी किए थे, जिसमें जनता पर कर्ज में कटौती और आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया गया। ओमान अपने साल 2040 विजन के तहत ये बदलाव कर रही है। ओमान की सरकार अपने देश की अर्थव्यवस्था को तकनीक पर आधारित बनाना चाहता है।

बिलावल ने इजराइली हमलों की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की, सिंधु संधि पर भारत को जंग की चेतावनी दी;

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने सोमवार को नेशनल असेंबली सत्र के दौरान भारत पर निशाना साधा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले की तुलना ऑपरेशन सिंदूर से की। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक बिलावल ने कहा कि जिस तरह भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया था, उसी तरह इजराइल ने ईरान पर अटैक किया है। उन्होंने भारत के साथ 7 से 10 मई तक हुए सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान की जीत का दावा किया। दरअसल, भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत 6-7 मई को हवाई हमला किया था। सिंधु जल संधि पर जंग की चेतावनी दी इसके अलावा बिलावल ने भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने को अवैध करार दिया और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया। बिलावल ने नदियों का पानी रोकने या बांध बनाने की कोशिश करने पर भारत को जंग की चेतावनी दी। बिलावल ने कहा, ÷हमारी वायुसेना ने पहले भारत को हराया है और जरूरत पड़ी तो फिर हराएगी। हम अपने देश के लिए सभी छह नदियों के पानी को सुरक्षित रखेंगे।÷ बिलावल ने दावा किया कि पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनियान-उम-मारसूस में भारतीय वायुसेना के 6 लड़ाकू विमान गिराए गए। इसमें तीन राफेल और दर्जनों ड्रोन शामिल थे।

इजराइल का रवैया वर्ल्ड वॉर की ओर धकेल रहा : इसके साथ बिलावल ने इजराइल के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विश्व ने ईरान के खिलाफ इजराइल की कार्रवाइयों पर चुप्पी साधी, तो कोई नही बचेगा। बिलावल ने जर्मन पादरी मार्टिन नीमोलर की कविता फर्स्ट दे केम का जिक्र किया। उन्होंने कहा- पहले वे फिलिस्तीनियों के लिए आए, लेकिन दुनिया चुप रही। फिर लेबनानी, फिर यमनी और अब ईरान के लिए आए हैं। अगर हम अब नहीं बोले, तो जब वे हमारे लिए आएंगे, कोई नहीं बचेगा। बिलावल ने इजराइल के ईरान पर हमले और अमेरिका के तेहरान के परमाणु संयंत्रों पर की गई बमबारी को इस बढ़ते संघर्ष का कारण बताया। उन्होंने इजराइल के रवैये को वर्ल्ड वॉर-3 की ओर ले जाने वाला बताया।

पाकिस्तान में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की आपात बैठक : अमेरिका का ईरान के तीन परमाणु संयंत्रों पर हवाई हमले के बाद बनी क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा के लिए सोमवार को पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की आपात बैठक बुलाई गई है। ये बैठक पीएम शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में होगी। न्यूज चैनल डॉन के मुताबिक ये बैठक आज शाम को होगी। सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी इसमें हिस्सा लेंगे। हाल ही में अमेरिका दौरे से लौटे फील्ड मार्शल मुनीर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ अपनी बैठक का ब्योरा समिति को देंगे। मुनीर ने अमेरिका में ईरान-इजराइल युद्ध खत्म करने की वकालत की थी। हालांकि अमेरिकी पाकिस्तानियों को संबोधित करने के दौरान उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। लोगों ने मुनीर के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्हें तानाशाह और कातिल बताया। पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने की बात कही पाकिस्तान ने अमेरिका के ईरान के परमाणु संयंत्रों पर हमले की निंदा की है। क्रूशहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की। प्रधानमंत्री ने ईरान के लोगों और सरकार के साथ होने की बात कही और हमलों में हुए जानमाल के नुकसान पर अफसोस जताया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

छाती में दर्द उठने पर पानी में से स्ट्रेचर पर लाए गए

मरीज को एंबुलेंस तक पहुँचने में लगे 30 मिनट, सूरत में मरीज की जान खतरे में पड़ी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पर्वत पाटिया इलाके में स्थित सोसायटियों के बाहर पिछले तीन दिनों से पानी भरा हुआ है, जिससे स्थानीय लोगों की हालत बेहद खराब हो गई है। विशेष रूप से व्रजभूमि, ऋषि विहार, सत्यं शिवम हाइट, नंदनवन, वृंदावन और माधवबाग सोसायटियों के हजारों निवासी खाड़ी जैसे जलजमाव से भारी परेशानी झेल रहे हैं। वहीं लिंबायत क्षेत्र में स्थित मीठी खाड़ी में अभी भी पानी भरे होने के कारण वहां के लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस जलभराव की स्थिति के बीच यह सामने आया है कि प्रशासन द्वारा अचेत मरीजों के लिए कोई विशेष सुविधा उपलब्ध नहीं है।

लिंबायत इलाके में रहमान नाम के एक व्यक्ति को सीने में दर्द की शिकायत होने पर तुरंत इलाज की जरूरत पड़ी। लेकिन फायर विभाग के पास मौके पर बोट की सुविधा न होने के कारण समस्या उत्पन्न हुई। मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाने में कठिनाई हुई। 65 वर्षीय रहमान भाई को सूरत के SMIMER अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है

इस स्थिति में 108 एंबुलेंस के कर्मचारी समय पर घटनास्थल पर पहुंच गए थे, लेकिन मीठी खाड़ी में भरे पानी और बोट की कमी के चलते मरीज को एंबुलेंस तक लाने में लगभग 30 मिनट का विलंब हुआ। यह घटना यह दर्शाती है कि मानसून के दौरान जलभराव जैसी आपदा में मेडिकल इमरजेंसी की स्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त सुविधाओं का अभाव है, जिससे नागरिकों की जान खतरे में पड़ सकती है।

पर्वत पाटिया क्षेत्र में एक से डेढ़ किलोमीटर के रास्ते पर घुटनों तक पानी भरे होने के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को बेहद मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। काम-धंधे पर जाने के लिए लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। कई लोग पानी से बाहर निकलने के लिए पैडल रिक्शा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसके लिए वे 100 रुपए चुकाकर पानी से बाहर निकल रहे हैं। पानी से गुजरने वाली कई गाड़ियां बंद हो जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पानी की निकासी में प्रशासन पूरी तरह विफल रहा है। हैरानी की बात यह है कि कल ही नगरपालिका आयुक्त ने इस इलाके का दौरा किया था, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं दिखा, जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति भारी आक्रोश देखा जा रहा है। निवासियों द्वारा प्रशासन की विफलता के खिलाफ जबरदस्त नाराज़गी व्यक्त की जा रही है।

गंदे पानी से जनता बेहाल, मौके पर AAP-BJP में बहसबाज़ी

तीन दिन से जनता गंदे पानी से परेशान, AAP की पार्षद मौके पर पहुंचीं तो BJP कार्यकर्ता भिड़ गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पूरा इलाका बाढ़ जैसी स्थिति से जूझ रहा है और अब इस पर राजनीति शुरू हो गई है। सीमाड़ा के वालमनगर इलाके में आम आदमी पार्टी (AAP) की तीन पार्षद - रचना हीरपरा, महेश अनघण और विपुल सुवागिया - जब मौके पर पहुंचे, तभी भाजपा के कार्यकर्ता वहां आकर विवाद करने लगे।

AAP की पार्षदों के पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने हंगामा शुरू कर दिया। दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। उसी दौरान एक्टिवा पर सवार एक व्यक्ति ने कहा, "क्या कहा था कल, हम तो कल पांच बजे से आए हुए हैं।" इस पर रचना हीरपरा ने जवाब दिया, "शांति से बोलो भाई, शांति रखो, प्रतिनिधि आए हैं, शांति रखो।"

एक अन्य व्यक्ति ने कहा, "हमें आपस में लड़ना नहीं है।" रचना हीरपरा ने कहा, च्च्हम झगड़ने नहीं आए हैं, हम लोगों की समस्याएं सुनने आए हैं, ठीक है, शांति रखो।"

फिर एक अन्य व्यक्ति ने सवाल किया, "यहाँ आपने क्या किया?" एक्टिवा पर सवार व्यक्ति बोला, "आप क्या सॉल्व करोगे?" रचना हीरपरा ने फिर कहा, "शांति रखो, मैंने कहा ना आपको।"लेकिन वह व्यक्ति बार-बार बोला, "आप क्या सॉल्व करोगे?" दूसरे व्यक्ति ने कहा, "आप अपना काम कीजिए।"

रचना हीरपरा ने फिर कहा, च्च्कल आपके मंत्री आए थे, क्या करके गए? मंत्री से पूछो..." तभी एक व्यक्ति ने कहा, "बहन अब तू चुप रह। ओ बहन..." उसी समय एक और व्यक्ति बोल पड़ा, "आपने क्या किया, बताओ..." रचना हीरपरा ने फिर जवाब दिया, "अपने मंत्री से पूछो, मंत्री से पूछो।" एक और व्यक्ति बोला, च्च्हमारे पार्षद कहाँ गए?" रचना हीरपरा ने कहा, "दुर्गा बहन और मीनाबेन को बुलाओ..." इस बीच किसी ने अपशब्द कहे और गुस्से में बोला, च्च्अब तक कहाँ थे सब?"

सूरत में पहली बार 7 रथयात्राएँ, ISKCON की शोभायात्रा में हाईटेक सुरक्षा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अहमदाबाद के बाद गुजरात की सबसे बड़ी रथयात्रा सूरत में आयोजित होती है, जहां लाखों की संख्या में भक्त भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए सड़कों पर उमड़ते हैं। इस साल, सूरत पुलिस ने इस विशाल भीड़ के सफल प्रबंधन के लिए अत्याधुनिक योजना बनाई है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और ड्रोन कैमरों का व्यापक उपयोग किया जाएगा।

गौरतलब है कि इस वर्ष सूरत में पहली बार कुल सात रथयात्राओं का आयोजन किया गया है, जिनमें से ISKCON मंदिर द्वारा निकाली जाने वाली रथयात्रा सबसे भव्य और 12 किलोमीटर लंबी होगी। इस बड़े आयोजन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को बेहद सुदृढ़ बनाया गया है। जब लाखों लोग एकत्रित होते हैं, तब भीड़ नियंत्रण एक बड़ी चुनौती बन जाती है। इस चुनौती से निपटने के लिए सूरत पुलिस ने खास प्लानिंग की है।ढ्ढ की मदद से यह पहचाना जाएगा कि कहां सबसे ज्यादा भीड़ जमा हो रही है और कहां हालात बिगड़ने की संभावना है। ये जानकारी तुरंत कमांड एंड कंट्रोल रूम से फील्ड अधिकारियों को भेजी जाएगी, ताकि वे तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर सकें। इसके अलावा रथयात्रा के पूरे मार्ग में संवेदनशील स्थानों की निगरानी ड्रोन कैमरों से की जाएगी। कुल 12 से अधिक ड्रोन अलग-अलग क्षेत्रों में नजर रखेंगे, जिससे किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सकेगा और सुरक्षा को मजबूत किया जा सकेगा। रथयात्रा के दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इसमें 1 RPF यूनिट, 3 SRP कंपनियों सहित 4000 पुलिसकर्मी और होमगार्ड तैनात रहेंगे। इसके अलावा 3 जॉइंट पुलिस कमिश्नर, 8 DCP, 20 ACP, 41 PI, और 150 PSI शामिल रहेंगे। 600 बॉडीवॉर्न कैमरों से लैस पुलिसकर्मी रथयात्रा की निगरानी करेंगे। सातों रथयात्राओं की निगरानी 800 CCTV कैमरों से की जाएगी, और 7 ड्रोन कैमरे पूरी रथयात्रा पर नजर रखेंगे। ट्रैफिक नियंत्रण के लिए भी ड्रोन कैमरों का विशेष उपयोग किया जाएगा।

रथयात्रा का रूट:टेक्सटाइल मार्केट
उदना दरवाजा
मजूरा गेट
सरदार ब्रिज
अडाजन रोड

भगवान जगन्नाथ, बलराम और देवी सुभद्रा के लिए वृंदावन से विशेष पोशाक तैयार की गई है। इन्हें बनाने में दो महीने का समय लगा और इसकी लागत लगभग 3.15 लाख रुपए रही। नारंगी रंग के रेशमी कपड़े पर जरदोजी, जरीवर्क और स्टोनवर्क से ये पोशाकें सजाई गई हैं। करीब 15-20 कारीगरों ने इन पोशाकों को तैयार किया। इस रथयात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण इसका हाइड्रोलिक रथ है। इस रथ की ऊंचाई लगभग 30 से 35 फीट और चौड़ाई 20 से 22 फीट है। इसकी खासियत यह है कि इसे ज़रूरत अनुसार ऊंचा या नीचा किया जा सकता है। रास्ते में पेड़ या अन्य बाधाएं आने पर रथ को नीचा किया जा सकता है, वहीं भक्तों को दर्शन आसानी से हो, इसके लिए इसे ऊंचा भी किया जा सकता है। यह हाइड्रोलिक सुविधा यात्रा को और भी सरल एवं सुविधाजनक बनाएगी।

सूरत शहर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा ISKCON संस्था द्वारा शुक्रवार, 27 जून को आयोजित की जाएगी। यह यात्रा दोपहर 3:30 बजे सूरत रेलवे स्टेशन से शुरू होकर जहांगीरपुरा स्थित हरे कृष्ण मंदिर तक जाएगी। यात्रा की शुरुआत सूरत के कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर की आरती विधि से होगी। इस रथयात्रा में कई आकर्षण होंगे, जैसे 22 भव्य झांकियां, बड़ी बैंड पार्टियां, घोड़े और स्वामी प्रभुपाद की बग्घी में सवारी। यात्रा के दौरान भक्तों को लगातार बूंदी और हलवे का प्रसाद वितरित किया जाएगा। यात्रा के समापन पर जहांगीरपुरा ISKCON मंदिर में सभी भक्तों के लिए प्रसाद भोजन का आयोजन किया गया है।

यह रथयात्रा भक्ति, भव्यता और जनभागीदारी से भरपूर होगी, जो सूरतवासियों और आसपास के श्रद्धालुओं के लिए एक विशेष आध्यात्मिक उत्सव बनकर उभरेगी। सूरत पुलिस की यह अत्याधुनिक भीड़ प्रबंधन प्रणाली इस आयोजन को और अधिक सुरक्षित और सुखद बनाएगी।

भुज में संविधान हत्या दिवस पर सांसद धवलभाई पटेल का मार्गदर्शन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड-डांग के सांसद एवं लोकसभा के मुख्य सचेतक श्री धवलभाई पटेल के मार्गदर्शन में भरूच में जिला स्तरीय संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सांसद श्री धवलभाई पटेल ने गुजरात एवं देशभर से आए कार्यकर्ताओं को आपातकाल की घटनाओं और उस समय हुए लोकतांत्रिक दमन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल के दौरान संविधान और जनता के अधिकारों का हनन हुआ था।

कार्यक्रम में विशेष रूप से भरूच जिला भाजपा अध्यक्ष श्री प्रकाशभाई मोदी, क्षेत्र के विधायकगण, वलसाड जिला भाजपा महामंत्री श्री शिल्पेशभाई देसाई, एवं श्री जीतेशभाई पटेल सहित भरूच जिला संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सभी वक्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए जागरूकता फैलाने और आपातकाल जैसी घटनाओं से सीख लेकर सतर्क रहने का आह्वान किया।

वलसाड LCB को मिली बड़ी सफलता

भिलाड़ थाना के दो प्रोहिबिशन मामलों में वांछित आरोपी अंकेलेश्वर से गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड जिला लोकल क्राइम ब्रांच (LCB) ने भिलाड़ पुलिस थाने में दर्ज दो प्रोहिबिशन मामलों में पिछले एक वर्ष से फरार चल रहे वांछित आरोपी को अंकेलेश्वर से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है।

यह कार्रवाई वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. करणराज वाघेला (IPS) तथा सूरत रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रेमवीर सिंह (IPS) के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस निरीक्षक श्री उत्सव बारोट (LCB वलसाड) के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई अंजाम दी।

गुप्त सूचना के आधार पर LCB की टीम ने आरोपी आशीष उर्फ मोंटी शंकर नरदेश्वर तिवारी (उम्र 31), हाल निवासी: जालाराम नगर, गडखोल, अंकेलेश्वर, जिला भरूच; मूल निवासी: पुरास गांव, थाना बांसडी रोड, जिला बलिया (उत्तर प्रदेश) को पकड़ने में सफलता प्राप्त की।

आरोपी के खिलाफ भिलाड़ थाना के दो प्राथमिक अपराध दर्ज हैं:**1.** सी. पार्ट गु. र. नं. 11200007240115/2024, धारा - गुजरात प्रोहिबिशन एक्ट की धारा 65(ई), 81, 98(2), 116(ख)
2. सी. पार्ट गु. र. नं. 11200007240434/2024, धारा - गुजरात प्रोहिबिशन एक्ट की धारा 65(ई), 81, 98(2), 116(ख)

आरोपी को गिरफ्तार कर भिलाड़ पुलिस थाने को सुपुर्द किया गया है, जहां उससे आगे की पूछताछ की जा रही है।

इस कार्रवाई में शामिल टीम: एलसीबी वलसाड के पुलिस निरीक्षक श्री उत्सव बारोट के निर्देशन में पेसो जे.जी. परमार, एएसआई प्रवीणकुमार यादव, और आरक्षक राहुल गुलाबभाई नायक की टीम ने मिलकर यह सफलता अर्जित की।

मंगल पाठ एवं विशाल भजन संध्या चार जुलाई को

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

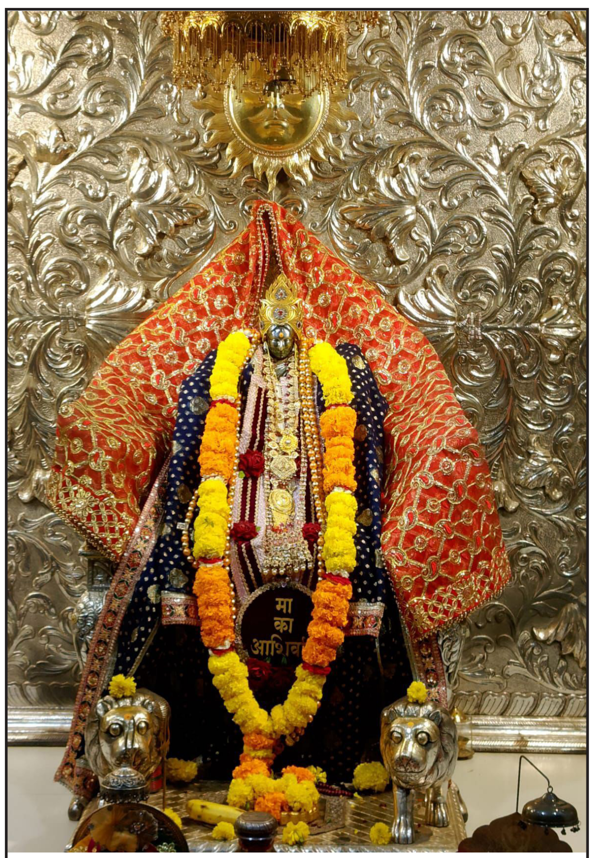

सूरत, माँ भीमेश्वरी देवी (श्री बेरीवाली माता) मंदिर के प्रथम पाटोत्सव के उपलक्ष में मंगल पाठ एवं विशाल भजन संध्या का आयोजन चार जुलाई को किया जाएगा। इस अवसर पर माँ का भव्य दरबार न्यूसिटी लाइट स्थित देवसर माता मंदिर हॉल में सजाया जाएगा। श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम साढ़े चार बजे से मंगल पाठ का आयोजन पाठ वाचक सुरभि बिरजुका द्वारा किया जाएगा। शाम छः बजे से आयोजित भजन संध्या में सुरेश जोशी, हीरल शर्मा के अलावा कोलकाता के विकाश झा भजनों की प्रस्तुति देंगे। आयोजन के दौरान मंच का संचालन योगेश बंसल करेंगे। आयोजन में रात्रि आठ बजे से महाप्रसाद एवं रात्रि नौ बजे माँ का ख़ज़ाना में इक्कीस चाँदी के सिक्के वितरित किया जाएँगे। इस मौके पर अखंड ज्योत, पुष्प वर्षा, इत्र फुहार, छप्पन भोग आदि कार्यक्रम भी होंगे।